दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 47 मुरादाबाद, 06 June 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अवधेश राय हत्याकांड में माफिया मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा, एक लाख रुपये का जुर्माना

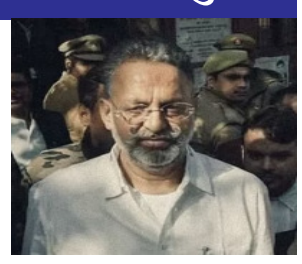

वाराणसी के बहुचर्चित अवधेश राय हत्याकांड में कोर्ट ने माफिया मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया। सोमवार को विशेष न्यायाधीश (एमपी-एलएलए) अवनीश गौतम की अदालत ने मुख्तार को उम्रकैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। 32 साल पुराने वाराणसी के बहुचर्चित अवधेश राय हत्याकांड में विशेष न्यायाधीश (एमपी-एलएलए कोर्ट) अवनीश गौतम की अदालत ने माफिया मुख्तार अंसारी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। एक लाख रुपये से अधिक का जुर्माना भी लगा है। पूर्वांचल में सभी की निगाहें इस ओर टिकी थी कि मुख्तार को क्या सजा मिलेगीबीते एक साल में मुख्तार अंसारी को चार मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। लेकिन इन सभी मामलों में अवधेश राय हत्याकांड में उसे पहली बार उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट के फैसले के मद्देनजर सिविल कोर्ट परिसर के साथ ही नौ मंजिला बिल्डिंग स्थित अदालत कक्ष की सुरक्षा व्यवस्था सख्त रहीअधिवक्ता अनुज यादव ने बताया कि दिनदहाड़े अवधेश राय की हत्या की गई थी। 32 साल पुराने इस मामले में एमपी-एलएलए कोर्ट ने मुख्य आरोपी मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया है। घटना के दो चश्मदीद गवाहों ने गवाही दी। एमपी-एमएलए कोर्ट में सिर्फ मुख्तार अंसारी का केस चल रहा था, बाकी अभियुक्तों का मामला इलाहाबाद के जिला न्यायलय में लंबित है। अवधेश राय पूर्व मंत्री व पिंडरा के कई बार विधायक रहे और अध्यक्ष अजय राय के बड़े भाई थे। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले का अजय राय ने स्वागत किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बड़े भाई की हत्या करने वालों के खिलाफ तीन दशक से ज्यादा समय से संघर्ष कर रहा हूं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर PM मोदी ने बड़ा बयान, कहा- भारत SÂC रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा

पीएम मोदी ने कहा कि जहां एक तरफ हमने गरीबों को मदद मुहैया कराई है तो वहीं दूसरी तरफ भविष्य में ईंधन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी बड़े कदम उठाए हैं।विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए बताया कि पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के लिए स्पष्ट रोडमैप के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा अगर भारत टेलिकॉम नेटवर्क का 4त्र और 5त्र तक विस्तार किया है तो अपने वन क्षेत्र को भी समान स्तर पर बढ़ाया है। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा- %इस साल विश्व पर्यावरण दिवस का थीम प्लास्टिक से निजात पाना है। पूरी दुनिया आज इस विषय पर बात कर रही है लेकिन भारत इस पर पिछले चार-पांच वर्षों से काम कर रहा है।% पीएम मोदी ने कहा- %साल 2018 में भारत प्लास्टिक से निजात पाने के लिए दो स्तरों पर काम करना शुरू किया था। जहां एक तरफ हमने सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद किया है तो वहीं दूसरी तरफ हमने प्लास्टिक के अपशिष्ट से दोबारा सामान बनाने की प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया।%उन्होंने कहा कि भारत अपने विकास के लिए किसी भी अन्य क्षेत्र की तरह बड़े पैमाने पर पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। पीएम मोदी मे आगे कहा- %जहां एक तरफ हमने गरीबों को मदद मुहैया कराई है तो वहीं दूसरी तरफ भविष्य में ईंधन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी बड़े कदम उठाए हैं।%पिछले नौ सालों में भारत ने हरित और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया है।

भारत-US के बीच तेजी से बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी, राजनाथ के साथ बैठक के बाद बोले अमेरिकी रक्षा मंत्री

ऑस्टिन इस साल भारत आने वाले चौथे अमेरिकी कैबिनेट स्तर के सचिव होंगे। इससे पहले विदेश मंत्री एंटनी जे ब्लिंकन, वित्त मंत्री जेनेट येलेन और वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने फरवरी और मार्च में भारत का दौरा किया था। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन कल अपने दो दिवसीय दौरे के लिए चार जून को भारत पहुंचे। यह उनकी दूसरी भारत यात्रा है। भारत पहुंचकर लॉयड ऑस्टिन मे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में मुलाकात की। राजनाथ सिंह की उपस्थिति में तीनों सेनाओं ने ऑस्टिन को दिल्ली में ट्राई सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद दोनों देशों के रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय मीटिंग के लिए चले गए।

मीटिंग के बाद ऑस्टिन का बयान

राजनाथ सिंह और लॉयड ऑस्टिन के बीच द्विपक्षीय मीटिंग के बाद रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी किया। उन्होंने कहा- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने दिल्ली में वार्ता की और मजबूत रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने नई तकनीकों के सह विकास और सह उत्पादन पर भी ध्यान केंद्रित करने पर बातचीत की।इस द्विपक्षीय बैठक के बाद लॉयड ऑस्टिन ने कहा- अपने मित्र राजनाथ सिंह से मिलकर अच्छा लगा। अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका धन्यवाद। उनकी लीडरशिप दोनों देशों के बीच संयुक्त अभ्यास, सहयोग और प्रौद्योगिकी के विकास में काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने आगे कहा- भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। भारत-अमेरिका साझेदारी एक मुक्त और खुले भारत-प्रशांत की आधारशिला है। हमने दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप स्थापित किया है। ऑस्टिन ने कहा- हम तेजी से बदलती दुनिया का सामना कर रहे हैं। हम चीन की जबरदस्ती और यूक्रेन पर रूस की आक्रमकता, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा- हमने सूचना शेयरिंग को बढ़ाने के तरीकों के साथ-साथ समुद्री सहयोग में सुधार के लिए नई पहलों पर चर्चा की। हमने हाल ही में अपने पहले रक्षा क्षेत्र और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डायलॉग के लॉन्च का भी जश्न मनाया। हमें इससे उभरते डोमेन में एक साथ मिलकर काम करने में सहायता मिलेगी। बैठक में ऑस्टिन ने कहा- %हमने नई पहल, इंडस-एक्स पर भी चर्चा की। इसका एकमात्र उद्देश्य अमेरिका और भारतीय रक्षा क्षेत्रों के बीच साझेदारी को तुरंत शुरू करना है। हम पीएम मोदी के वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के सहयोग में इंडस-एक्स के औपचारिक लॉन्च की भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम केवल प्रौद्योगिकी का शेयर नहीं बल्कि एक दूसरे का पहले से अधिक सहयोग कर रहे हैं। ऑस्टिन ने भारत-अमेरिका के रिश्ते पर कहा- इंडो-पैसेफिक में नाटो की स्थापना का कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। हम मुक्त और खुले विचारों के साथ काम करेंगे। भारत और अमेरिका दोनों ही मुक्त और खुले भारत-प्रशांत के समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। हम चाहते हैं कि हम वह करें जो हमने नहीं किया है।

भारतीय रक्षा मंत्रालय ने जारी किया बयान

अमेरिकी रक्षा सचिव से हुई बातचीत क बाद रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए बताया कि आज दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों और औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने पर बात की गई। साथ ही इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने पर भी चर्चा की गई है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माणों के तरीकों को ढूंढ निकाला है। दोनों ही देश नई तकनीकों के विकास और मौजूदा नी प्रणालियों के उत्पादन के अवसरों की पहचान करने और दोनों देशों के रक्षा स्टार्ट अप के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। दोनों देशों ने औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार किया है, जो अगले कुछ वर्षों के लिए मार्गदर्शन करेगा।% कॉन्फ्रेंस हॉल में राजनाथ सिंह ने लॉयड ऑस्टिन का हाथ मिलाकर उनका स्वागत किया और फिर दोनों एक-दूसरे से गले भी मिले। द्विपक्षीय बैठक के बाद राजनाथ सिंह और लॉयड ऑस्टिन दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर से बाहर निकले। उन्होंने अपने समपक्ष अमेरिकी रक्षा मंत्री को गाड़ी में बैठाया और हाथ जोड़कर उन्हें अलविदा कहा। ऑस्टिन के जाने के बाद राजनाथ सिंह भी अपनी गाड़ी में बैठकर वापस चले गए। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के सलाहकार अजीत डोभाल ने भी अमेरिकी रक्षा सचिव से मुलाकात की। दोनों ने समुद्री क्षेत्र में आला प्रौद्योगिकी, सेना और एयरोस्पेस डोमेन में क्षमताओं को बढ़ावा देने के साथ टेक्नोलॉजी के स्थानांतरण पर भी चर्चा की। दोनों ही नेताओं ने अपने विश्वसनीय सप्लाई सूत्रों, लचीली आपूर्ति श्रृंखला और महान से महान उद्योग के पार्टनरशिप पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमति जताई है। उन्होंने प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण, सह-उत्पादन और भारत की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप स्वदेशी क्षमताओं के निर्माण पर भी बात की। अजीत डोभाल और अमेरिकी रक्षा सचिव ने विभिन्न क्षेत्रों के देश मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया और इंडो-पैसिफिक अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्रवाई की स्वतंत्रता बनाए रखने और खराब विकल्पों के लिए मजबूर न होने पर जोर दिया। एनएसए डोभाल और अमेरिकी रक्षा मंत्री ने बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इसमें वैश्विक चुनौतियों से लड़ने के लिए रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की गई। बैठक में दोनों देशों की जनता के रिश्तों को ध्यान में रखते हुए सरकारों के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर भी बात हुई।

सीएम योगी ने पर्यावरण संरक्षण की दिलाई ऑनलाइन शपथ, बोले- इसे अपने कल के लिए बचाइए

विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में सभी लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन की बधाई दी। वन मंत्री डॉ अरुण सक्सेना, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, सांसद रविकिशन ने अपने संबोधनों की शुरुआत ही सीएम को जन्मदिन की बधाई देते हुए की। रविकिशन ने कहा कि आज महाराज के जन्मदिन पर पूरे प्रदेश में दिवाली जैसा माहौल है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण के प्रत्येक क्षेत्र में दिख रहे प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण पर नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार अपने स्तर पर गंभीर प्रयास कर रही है पर इसके साथ ही प्रदूषण के घातक दुष्परिणामों से बचने के लिए हर व्यक्ति को पर्यावरण अनुकूल आचरण अनिवार्य रूप से करना होगा।सीएम योगी सोमवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित %रेस फॉर लाइफ = सर्कुलर इकॉनमी एवं लोकल क्लाइमेट एक्शन% विषयक कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन की शुरुआत के साथ पर्यावरण संकट पर चिंता 51 वर्ष पूर्व से की जा रही है। जल, वायु, पेड़-पौध सबका समन्वित रूप है। हम सबकी रचना भी पंचतत्वों के इर्दगिर्द हुई है। हमारा जीवन चक्र व सृष्टि एक दूसरे से जुड़े हुए हैं लेकिन हमने सृष्टि के तत्वों जल, वायु को प्रदूषित किया। इसका खामियाजा हमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों के रूप में भुगतना पड़ रहा है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा इन बीमारियों के उपचार पर खर्च हो जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मनीषा के मंत्र इस बात के प्रमाण हैं कि हमारे पूर्वजों ने सृष्टि के प्रत्येक वस्तु के कल्याण की बात की है। कल्याण मतलब कोई भी वस्तु प्रदूषित न होने पाए। पहले हम यज्ञ करते थे, घर-घर हवन होता था। इन सबको तिलांजलि देकर हमनें ऐसी जीवन पद्धति अपना ली जो आज हमारे लिए ही घातक हो गई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ करने का दुष्परिणाम प्रदेश के कुछ हिस्सों में सितंबर-अक्टूबर की असमय बाढ़ या दिल्ली में नवंबर-दिसंबर के स्मॉग के रूप में सामने है। दिल्ली में तो ऐसा संकट होता है कि लोगों को श्वांस लेने, आंखें खोलने में दिक्कत होने लगती है। उद्योगों को बंद करना पड़ता है। कभी सूखा तो कभी अतिवृष्टि से अन्न का संकट भी खड़ा हो सकता है।पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को प्रोत्साहित कर रही है सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन कम कर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सरकार पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए शहर ही नहीं गांवों में एलईडी लाइट की व्यवस्था की जा रही है। एलईडी कार्बन उत्सर्जन कम करने का माध्यम बन रहा है। इसी तरह सोलर पावर को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। नमामि गंगे से निर्मल एवं अविरल हुई गंगा- सीएम योगी ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नमामि गंगे प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि आज प्रयागराज, काशी में गंगा जी का जल स्वच्छ व अविरल हो गया है। लोग प्रसन्नता से इसका आचमन व स्नान कर रहे हैं। जबकि पहले लोग प्रयागराज कुंभ में आचमन, स्नान नहीं कर पाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के लिए ही पीएम मोदी के मार्गदर्शन में आजादी के अमृत महोत्सव में गांव-गांव अमृत सरोवर बन रहे हैं। उन्होंने ग्राम प्रधानों से तालाबों के संरक्षण और उनके चारों तरफ पौधरोपण का आह्वान भी किया। साथ ही हर घर नल योजना में भी पानी की बर्बादी रोकने की अपील की। प्रदूषण व गंदगी थे इंसेफेलाइटिस के कारण- सीएम योगी ने चार दशक में पूर्वी उत्तर प्रदेश में पचास हजार मासूमों को असमय काल कवलित करने वाली बीमारी इंसेफेलाइटिस का जिक्र करते हुए कहा इसके कारण प्रदूषण व गंदगी थे पर्यावरण व स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर इसे दोबारा पैर पसारने से रोकने के लिए सबको प्रयास करना होगा सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पाप के समान- मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का ध्येय वाक्य है, सॉल्यूशन फॉर प्लास्टिक पॉल्यूशन। प्रदेश में इसे 2018 में ही बैन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल पाप के समान है। फेंके गए प्लास्टिक को गाय खाकर मर जाती हैं तो गोमाता की हत्या का पाप लगता है। कभी नष्ट न होने से यह प्लास्टिक धरती मां के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। पर्यावरण संरक्षण को सिक्स आर का मंत्र दिया मुख्यमंत्री ने प्लास्टिक से पर्यावरण के संरक्षण के लिए सिक्स आर का मंत्र दिया।

संपादकीय Editorial

Where has 'Rail Kavach' gone?

This proved to be the last train journey. In the last 30 years, such a terrible, fatal, tragic train accident has not been seen. The train accident in Balasore district of Odisha is an unprecedented tragedy of its kind. By the way, this is the third biggest, terrible and tragic train accident, because the collision of three trains is unprecedented and unimaginable. Rail has been considered an easy and safe journey for the common man. Accidents have also reduced. Lakhs of passengers travel by rail every day. The country's rail route is 68,103 km long. We are world class railways. There have been 288 deaths and 1116 people injured in the Balasore accident. His treatment is going on in the hospitals. The condition of about 56-58 passengers is said to be serious, so the death toll may increase. Passengers aboard the Coromandel Express train from Howrah to Chennai and the Duronto Superfast train from Bengaluru to Howrah were reassured. Some were going to their home, village, while some had to reach their destination. There was a function in someone's house or someone had to meet relatives after a long time. The collision of three trains shattered everything. Someone's arm was left, someone's leg was left, and someone's face was disfigured.

When the passengers got stuck between the bogies, they were crushed. When I saw the scenes on TV channels, my mind got distracted. The pain touched the palate. Is Indian Railways so unsafe? Was such a huge and gruesome human tragedy due to some human error and mechanical failure? Are we so incompetent in the technical level and the technology of the control room located at the railway station that we cannot prevent train accidents? On this accident, the issue of 'Anti Collision Device' has been raised by former Railway Minister Mamata Banerjee and experts are also questioning the 'Safety Kavach' of the Railways. Actually this 'Kavach' was implemented in 2020. Railway Minister Ashwini Vaishnav had seen the trial and use of 'Kavach', then clapped a lot and patted those who operated 'Kavach'. In fact, the reality of this 'armour' is that till December 31, 2022, only 1455 kilometer route could be covered with 'armour'. That is, more than 95 percent of the rail route is 'unarmoured'. There are 13,215 locomotives in the country. Out of these only 65 have the arrangement of 'Kavach'. 18 out of 19 zones of Railways do not have a single 'Kavach' system. Experts are saying that if the 'Kavach' was there, the Duronto's engine would have stalled 400 km earlier. There were many claims at the level of the Railway Minister that this 'armor' can prevent a possible collision between two trains, as its technology senses the accident and applies automatic brakes to the train. However, this is not the time for politics and blame game. A very tragic accident has happened. Those who are alive, they should be treated better. If the government gives them some compensation, then more or less only a 'drop in' amount will come out of the coffers of the Government of India. Prime Minister Modi has the experience of how many will get strength and will also get the courage to be active anew. After the accidents, railway ministers have resigned on the grounds of morality, but this is not a constitutional obligation. The resignation of the minister cannot make up for the tragedy. It would be better if the separate inquiry reports of the High Level Committee and the Commissioner of Rail Safety come out as soon as possible, so that accountability and responsibility can be fixed.

Economy: Human development from economic development, it is necessary to maintain the pace of GDP

The research found that states that could sustain higher growth of provincial GDP between 1993 and 2018 were relatively advanced in human development. The Indian economy is passing through a critical phase since 2016 with a slowdown in economic growth and rising educated unemployment. The growth rate from 2004 to 2014 was the highest in India's modern economic history. Structural change in employment, which began in 2004, led to increased mechanization in agriculture, a boom in the construction sector, higher growth in non-agriculture jobs (7.5 million per year since 2004-05), higher real wage rates Poverty decreased. But after the demonetization of 2016, till the year 2019, the economic growth rate kept decreasing. Then during the Covid pandemic, the economy contracted heavily after decades. While the global economy contracted by 3.1 per cent, India's GDP contracted by 6.6 per cent in 2020-21. Although the Indian economy has improved since then, the detrimental impact on regular, informal, formal jobs, wage rates and livelihoods of the poor has not recovered. The rich are getting richer and the poor people are getting poorer. People are not able to experience real wage growth. There is a reciprocal relationship between economic development and human development. In recent research, we found that states in India that could sustain high growth of provincial GDP between 1993 and 2018 were relatively advanced in human development. Their GDP grew at more than seven per cent per annum. These include Kerala, Tamil Nadu, Karnataka, Maharashtra, Gujarat, Uttarakhand, Punjab and Haryana. These states were spending a significantly higher share of GDP on both education and health, which is reflected in their health and education outcome indicators. In contrast, Jharkhand, Chhattisgarh, Bihar, Madhya Pradesh, Odisha, Uttar Pradesh and Rajasthan During the two and a half decades, the average GDP growth was only five per cent per annum. These are the states where poverty, malnutrition and infant mortality are very high. The National Family Health Survey (2019-21) found that the proportion of severely stunted children has increased in these backward states. In addition, the average years of schooling in these states is also very low, which has not improved much during the last two decades. The proportion of poverty in these is also higher than the southern states. In such a situation, it would not be wrong to say that the reduction of poverty not only improves the standard of living of the people, but also increases the spending capacity of their families. Therefore, a reduction in poverty increases the demand for goods and services, which is likely to increase production. With the increase in the growth rate, public and private expenditure on education and health increases. Which has a positive impact on the growth of Human Development Index (HDI). Rising incomes enable households to spend on healthcare and education. Each state government should be aware of these three-way relationships between economic growth, poverty reduction, and improvements in human capabilities (improvement in education and health outcomes). Need to think seriously. Our research proves that both poverty reduction and human development improvement are preconditions for sustaining economic growth in Indian states, as poverty reduction is accompanied by a feedback loop of improved education and health and economic growth This is the reason why some of the states in the south have consistently performed well with their economies registering an average growth rate of close to seven per cent annually, while many others have completely failed to even maintain an economic growth rate of five per cent.

Terrible accident, there is no scope for cheap politics in the name of expressing condolences in this hour of grief.

A heart-wrenching train accident took place in Balasore at a time when measures for safe operation of trains were showing their effect and due to them the number of train accidents was also coming down. This horrific accident has again brought the question of safe rail operation to the surface. The death of nearly three hundred railway passengers in the worst train accident in recent history in Odisha's Balasore district is a moment of national mourning. This is a shocking incident. Such a horrific accident is not even imaginable, because three trains including two passenger trains came under the grip of accident simultaneously. Due to this, such a large number of railway passengers got caught in the cheek of untimely time and more than a thousand were injured. Hundreds of families drowned in the ocean of sorrow in one stroke. No amount of condolences and compensation can ease their suffering. Those who have lost their loved ones will not be able to forget this incident for the rest of their lives. God forbid anyone to see such days as the relatives of the passengers who lost their lives in the crashed Coromandel Express and Yesvantpur-Howrah Express have to see. The magnitude of this accident is known from the fact that it has attracted the attention of not only the country but also the world. There has been an outpouring of condolence at the international level, so it is only natural. It is also natural that along with the Railway Minister, the Prime Minister also reached the accident site. A heart-wrenching train accident took place in Balasore at a time when measures for safe operation of trains were showing their effect and due to them the number of train accidents was also coming down. This horrific accident has again brought the question of safe rail operation to the surface. At present, the root cause of the accident has not been reached, but it can be easily understood that either it is a terrible result of some technical fault or human error. Keep in mind that human error is often the result of carelessness. In any case, it is not a good sign that preliminary investigation has revealed that the Coromandel Express rammed into a goods train parked on the loop line and its bogies fell on the track through which the Yesvantpur-Howrah Express was passing. It seems the driver of this second train did not get any chance to recover. What actually happened will be known only by the investigation. It is true that a high-level inquiry has been ordered, but a thorough investigation should be seen to be taking place and as the Prime Minister said, strict punishment should also be ensured to the guilty. At the same time, safe rail operations should be given top priority and the work of equipping all trains with the armor system, which works to prevent accidents, should be expedited. Baleshwar incident is a matter of grief to the nation. There is no scope for cheap politics in the name of expressing condolences in this hour of grief.

Technical fault issues, ensuring flawless technology is used for safe operation

The recommendation of the Railway Minister to investigate the Baleshwar accident by the CBI shows that the matter is very serious, but the issue is not only the identification of the causes and people responsible for the accident, but also how to ensure the safe operation of trains. In one of the worst train accidents, the Balasore train accident should be a cause of grave concern for the fact that it was caused by a fault in the electronic interlocking system. The detailed investigation report will throw light on this in more detail, but at a time when the number of trains in the country is increasing and their speed is increasing, it is imperative to ensure the use of impeccable technology for their safe operation. If it is true that a former officer of South Western Railway had spoken about the neglect of the electronic interlocking system, then it should go to the bottom whether his report was taken seriously or not? Whether the electronic signal maintainer is working properly or not? No technology can be allowed to be used in the operation of trains, which is not completely reliable or which has even a slight margin of error. Since the Baleshwar incident is very horrifying and such incidents are not acceptable, it should not only be thoroughly investigated, but it should also be ensured that such incidents do not happen in future. Only by ensuring this, that trust can be restored, which has started looking like a mess after the Balasore train accident. The recommendation of the Railway Minister to investigate the Baleshwar accident by the CBI shows that the matter is very serious, but the issue is not only to identify the reasons and people responsible for the accident, but also how to ensure the safe operation of trains. . For this, such reliable technology has to be developed, in which neither there is any scope for any flaw nor for any human error. It is a good thing that there has been almost a unanimous demand for a thorough probe into the Baleshwar train accident, but at the same time some leaders of the opposition parties have started demanding the resignation of Railway Minister Ashwini Vaishnav. Those demanding this should ask themselves whether the resignation of the Railway Minister will prove helpful in redressing the causes that led to such a major accident in which 275 railway passengers were killed and close to a thousand were injured? It is an irony that among those demanding resignation from Ashwini Vaishnav, he is also the former Railway Minister, during whose time major railway accidents happened and then he did not understand any need to resign. Those seeking resignation from the Railway Minister should not ignore that he has done remarkable work in improving the condition of railways and safe operation of trains.

सुनिए पार्षद जी....नालियों की गंदगी व कूड़ा सड़क पर छोड़ देते हैं सफाई कर्मी, बदबू से लोगों का जीना मुहाल

मुरादाबाद- यूं तो मानसरोवर महानगर के पॉश इलाकों में गिना जाता है। यहां सभी मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। लेकिन, क्षेत्र की छवि को गंदगी ने धूमिल कर दिया है। सड़कों पर गंदगी के अंबार लगे हैं। खाली पड़े भूखड़ कूड़ा घर बने हैं। जिससे आने वाली दुर्गंध से लोग परेशान हैं। लोगों ने पार्षद से गंदगी से निजात दिलाने की मांग की। वार्ड नंबर नौ मानसरोवर में भारतीय जनता पार्टी से सुधीर सेठ पार्षद हैं। वार्ड में मानसरोवर कॉलोनी, मंझोली, प्रगति विहार आदि क्षेत्र आता है। मानसरोवर महानगर के पॉश इलाके में शामिल है। यहां अधिकांश परिवार उच्च वर्ग से आते है। वहीं मंझोली और प्रगति विहार में सभी वर्गों के लोग निवास करते हैं। यह वार्ड दिल्ली रोड के समीप है। यहां दुकानें, अच्छे स्कूल, पार्क आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। नजदीक ही सब्जी मंडी भी है। सड़कों की हालत बेहतर है। लेकिन, नालियों में गंदगी अटी पड़ी है। सफाई कर्मचारी समय पर नहीं आते हैं। जब आते हैं तो नालियों व नालों का कूड़ा सड़क पर ही छोड़ देते हैं जो काफी समय तक उठाया नहीं जाता है। वहीं खाली पड़े भूखड़ों में लोग कूड़ा डाल देते हैं। जिससे इलाके में गंदगी और बदबू फैली रहती है।

मेरे घर के पास ही एक खाली भूखड़ है। जिसमें पूरे मोहल्ले समेत बाहर के लोग भी रोजाना अपने घरों का कूड़ा डालते हैं। जिससे यहां चारों तरफ गंदगी पसरी रहती है। पार्षद को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। - रवि

देखिए, अगर अन्य वार्डों के मुकाबले देखा जाए, तो यहां हालात बेहतर हैं। अधिकांश सड़कें बहुत अच्छी बनी है। पानी की निकासी की समस्या भी नहीं है। हां, गंदगी से जरूर परेशानी होती है।- दीक्षा

यहां पर सफाई समय से नहीं होती है। जिससे नालियों में पानी भरा रहता है। साथ ही गंदगी जमा होने से यह पानी कई बार सड़कों पर आ जाता है। जिससे आवाजाही में परेशानी होती है। - वंदना ठाकुर

यहां थोड़ी बहुत समस्याएं हैं। जिनमें गंदगी की समस्या ज्यादा गंभीर है। जिस वजह से यहां बदबू के साथ बीमारी फैलने का खतरा भी रहता है। उम्मीद है पार्षद इसपर जल्द ही ध्यान देंगे। - जगदीश

यह शहर का पॉश इलाका है। फिर भी यहां गैस की पाइप लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। जिससे गैस के लिए बाहर जाना पड़ता है। पार्षद से गुहार है कि वह यहां गैस की पाइप लाइन बिछवाने के लिए कार्य करे। - उमेश

मेरी मंडी रोड पर कपड़े की दुकान है। दुकान के बाहर नाला निकल रहा है। जिसकी सफाई काफी दिन पहले हुई थी। लेकिन, कूड़ा नाले से निकाल सड़क पर डालकर जिम्मेदार भूल गए हैं। जिससे यहां बदबू रहती है। - सुमित पाल

सफाईकर्मी यहां समय से नहीं आते। कई बार तो कर्मचारी, सफाई करने के पैसे मांगते हैं। मजबूरी में यहां लोगों को पैसे देने पड़ते हैं। उम्मीद है पार्षद इस समस्या से हमें निजात दिलाएंगे। - सोनू प्रजापति

चुनाव के समय भी यहां गंदगी सबसे बड़ा मुद्दा था। जिसे लेकर पार्षद ने कहा था कि उनके कार्यकाल में यहां गंदगी नहीं रहेगी। अब उन्हे अपना वादा निभाने चाहिए। जिससे लोगों को राहत मिले। - बनवारी लाल

पिछले पार्षदों ने यहां सिर्फ वादे किए हैं। यह पॉश कॉलोनी होने के बाद भी बदहाली का झेल रही है। हर गली में आपको गंदगी मिल जाएगी। जिससे लोगों का घरों से बाहर घूमना दूभर हो गया है। चुनाव के समय भी मैंने सभी से वादा किया था कि जीतने के बाद सबसे पहले सफाई को प्राथमिकता दी जाएगी। इसी पर सबसे पहले अमल किया जाएगा। जिसके लिए कार्ययोजना तैयार है। जल्द ही उसे धरातल पर उतारेंगे। - सुधीर सेठ, पार्षद

रेलवे कर्मचारी के लिए रास्ते में रोकी गई ट्रेन, इंटर सिटी का मामला

मुरादाबाद- आपने अक्सर देखा होगा कि हाईवे पर बस या अन्य वाहन को सवारी या स्टाफ हाथ दिखाकर रोक लेते हैं। वाहन के रुकने पर उसमें सवार होकर वह गंतव्य के लिए चल देते हैं। लेकिन, क्या कभी आपने देखा या सुना है कि कोई व्यक्ति दूर से ट्रेन को हाथ दिखाए और वह रुक जाए। जी हां, ऐसा ही एक नजारा मुरादाबाद-दिल्ली रूट पर देखने को मिला। जहां एक रेलवे कर्मचारी को बिठाने के लिए ट्रेन को बीच रास्ते में दो मिनट के लिए रोका गया। कर्मचारी के सवार होने के बाद ट्रेन चल दी। जिससे यात्रियों को असुविधा हुई। दैनिक यात्री संगठन के अध्यक्ष सुधीर पाठक ने बताया कि वह मुरादाबाद से दिल्ली के लिए चलने वाली ट्रेन संख्या 14315 इंटरसिटी एक्सप्रेस में सवार थे। ट्रेन अपने निर्धारित समय से लगभग सवा घंटे की देरी से चली थी। जिससे यात्री परेशान थे। उन्होंने बताया कि हकीमपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने से पहले ट्रेन अचानक हल्की होकर रुक गई। उन्होंने बाहर जाकर देखा तो रेलवे का एक कर्मचारी दौड़ता हुआ ट्रेन की ओर आ रहा है। जब कर्मचारी ट्रेन में सवार हो गया तो वह चल पड़ी। इस बीच लगभग दो मिनट तक इंटरसिटी को रोका गया। ट्रेन पहले से ही लेट चल रही थी। इस कारण और लेट हुई। जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। दैनिक यात्री सुधीर पाठक का कहना है कि अगर चेन पुलिंग करने पर यात्रियों पर जुर्माना लगता है तो रेलवे कर्मचारियों के लिए ट्रेन रोकने पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह का कहना है कि ऐसी कोई जानकारी मेरे संज्ञान में नहीं है। शिकायत मिलने पर जांच कराई जाएगी।

धर्म परिवर्तन की चेतावनी पर हुई मंदिर के आसपास की सफाई

मुरादाबाद-सफाई होने के बाद संतुष्ट हुए गो-रक्षक दल के जिलाध्यक्ष, अगवानपुर पुलिस से बोले- अब नहीं करेंगे धर्म परिवर्तन प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद गो-रक्षक दल के जिलाध्यक्ष को प्राचीन जाहरपीर मंदिर के पास सफाई न होने पर परिवार सहित धर्म परिवर्तन की चेतावनी देनी पड़ी। इसके बाद हरकत में आए अधिकारियों ने भी मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई करा दी।

इस सफाई से गो-रक्षक दल के जिलाध्यक्ष भी संतुष्ट हैं। उन्होंने अगवानपुर पुलिस को लिखकर दिया है कि वह सफाई से संतुष्ट हैं और अब धर्म परिवर्तन नहीं करेंगे। इसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। नगर पंचायत कार्यालय के पास कई सौ साल पुराना जाहरपीर मंदिर है। जून में हर वर्ष यहां भंडारे का आयोजन किया जाता है।

लेकिन, इस समय मंदिर के पास गंदगी और कूड़ा पड़ा होने से आहत गो-रक्षक दल के जिलाध्यक्ष कामेश सिंह लोधी ने बीती 27 मई को मंदिर के आसपास सफाई न होने पर परिवार सहित धर्म परिवर्तन की चेतावनी देते हुए जिलाधिकारी को शिकायत पत्र लिखा था। उन्होंने अधिशासी अधिकारी पर भी उपेक्षित रवैया अपनाने का आरोप लगाया था। आरोप था कि वह पांच वर्षों से मंदिर के सामने पड़े कूड़े की शिकायत कर रहे हैं।

लेकिन, अभी तक कूड़ा नहीं उठाया गया। कामेश सिंह के परिवार सहित धर्म परिवर्तन की चेतावनी के बाद अधिकारी हरकत में आए और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी मुरारी लाल शर्मा ने तुरंत मंदिर के आसपास पड़ा कूड़ा हटाने के लिए सफाईकर्मियों को भेजा। ईओ मुरारीलाल शर्मा ने बताया कि मंदिर और उसके आसपास की सफाई के बाद कामेश सिंह लोधी को सफाई व्यवस्था से संतुष्ट कराया। अगवानपुर चौकी इंचार्ज मृदुल कुमार को भी कामेश सिंह लोधी ने लिखकर दिया है कि वह सफाई व्यवस्था से संतुष्ट हैं और भविष्य में वह धर्म परिवर्तन नहीं करेंगे।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रयास कर कार्य प्रगति बढ़ाने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय पर जल जीवन मिशन की बैठक आहूत की गयी, जिसमें जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के अर्न्तगत कार्य करने वाली विभिन्न एजेन्सियों से फीडबैक लेते हुए कार्य प्रगति धीमी पाये जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के अर्न्तगत काम करने वाली टीमें विशेष प्रयास कर अपने कार्य की लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एजेंसियां गांव के क्रियाशील ग्रामीणजन, पंचायत सहायक, कृषि विभाग के कर्मचारी, लेखपाल, प्रधान आदि लोगों से आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन में कार्य करने वाली एजेन्सियों द्वारा धीमी गति से कार्य करने पर कार्य प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने पेन्डिंग डीपीआर को तत्काल भेजने तथा कनेक्शन बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि पाइप लाइन डालते समय लोगों की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाये। उन्होंने एक्सईन ग्रामीण को निर्देश दिये कि सभी कार्य करने वाले एजेन्सियों की प्रगति रिपोर्ट नियमित प्रस्तुत करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, अधिशासी अभियन्ता जल निगम फराहीम अहमद, टी0के0सी0एल0सी0 इन्फ्रा के प्रोजेक्ट डायरेक्टर चन्द्रशेखर तथा एन0के0जी0 प्रीमल हरिओम, डी0पी0एम0यू0 से जिला प्रबन्धक रमन यादव, प्रोजेक्ट मैनेजर शिवाकांत शुक्ला, आई0ए0ए0 समन्वयक विकास शर्मा, टी0पी0आई0 से रेड्डी एवं विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता तथा आई0एस0ए0 एजेंसी के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने पुस्तक दान अभियान वाहन का शुभारम्भ कलेक्टेऊट से हरी झण्डी दिखाकर किया

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने 05 जून से प्रारम्भ होने वाले पुस्तक दान अभियान वाहन का शुभारम्भ कलेक्टेऊट से हरी झण्डी दिखाकर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी की संकल्पना के अनुसार जनपद के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययनरत जनपद के समस्त छात्र /छात्राओं को रोजगार एवं विकास के समान अवसर उपलब्ध कराने के क्रम में जनपद मुरादाबाद में दिनांक 5 जून 2023 से दिनांक 25 जून 2023 तक 卐पुस्तक दान शिक्षा दान卐 अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह मैजिक वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए इच्छुक पुस्तक दानदाताओं से पुस्तकें एकत्रित करेगी। दान स्वरूप एन0सी0ई0आर0टी0 की पुस्तकें प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी अन्य पुस्तकें तथा महापुरुषों के जीवन चरित्र को रेखांकित करने वाली अन्य प्रेरक पुस्तकों को दान दाता दान कर सकते हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पुस्तक दान शिक्षा दान संबंधी अभियान में आपकी सहभागिता अपेक्षित है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट हर्षिका सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व युगराज सिंह, संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार दुबे, अपर नगर मजिस्टेऊट प्रथम मणि अरोरा, द्वितीय मनीष चैधरी, बेसिक शिक्षा अधिकारी बुद्धप्रिय सिंह, एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कासगंज रोड, हाईवे और बाईपास बनाने के लिए काटे गए पेड़ों के बदले अभी तक नये पौधे नहीं लग पाए

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-कासगंज रोड, हाईवे और बाईपास बनाने के लिए काटे गए पेड़ों के बदले अभी तक नये पौधे नहीं लग पाए हैं। इन स्थानों से करीब दस हजार पेड़ काटे गए थे। हालांकि संबंधित विभागों ने पौधे लगाने के लिए पैसा भी मुहैया करा दिया लेकिन भूमि उपलब्ध न होने के कारण पौधरोपण नहीं हो पाया। जमीन उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार से अनुमति मांगी गई है। छह वर्ष का समय बीतने के बाद भी पौधा रोपण के लिए अनुमति नहीं मिल सकी है। जनपद की हरियाली का क्षेत्रफल बहुत ही कम है। लगातार हो रहे पौधारोपण के बाद भी तीन फीसदी भी हरियाली नहीं हो पाई है। जीटी रोड के चौडीकरण के लिए सड़क किनारे लगे पेडों को काटा गया था। इसमें चार हजार से अधिक पेड़ों का नुकसान हुआ था। ऐसे ही कासगंज के चौडीकरण के समय 4400 से अधिक पेड़ काट दिए गए। एटा बाईपास के लिए भी 400 से अधिक पेड़ काटे गए। रेवले लाइन के विस्तार में भी स्टेशन के आसपास के 250 से अधिक पेड़ काटने की अनुमित मांगी गई थी। वन विभाग से अनुमति मिलने के बाद इन सभी पेड़ों को काट दिया गया। नये पौधों के रोपण के लिए सभी विभागों ने करीब दस करोड़ रुपया भी वन विभाग को दे दिया। सड़कों के चौडी होने के बाद सड़क किनारे पेड़ लगाने के लिए जगह न बच पाने के कारण पौध रोपण नहीं हो पाया। कासगंज रोड पर नहीं लगाए गए नए पेंड एटा। एटा-कासगंज सिंगल रोड को फोरलेन बनाया गया था। जिले की सीमा में 19 किमी एटा से मिरहची तक मार्ग किनारे लगे सैकड़ो 4400 पेड़ को का गया था। इस मार्ग का निर्माण पूर्ण होने के जीटी रोड को ऊंचा बनने के कारण पौधे नहीं लगाए जा सकते, लेकिन कासगंज रोड पर तो पेड़ लगाने के लिए बीच में जगह भी छोड़ी गई है। इसके बाद भी पौधे नहीं लग सके। पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए करें चिंतन-हरनाथ एटा। विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य सभा सांसद हरनाथ सिंह यादव एवं उनके पुत्र वाचस्पति यादव ने पौधा रोपण कर लोगों को संदेश दिया कि सनातन धर्म में पौधा लगाना और उसको पुत्र की भांति पालना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि हमें पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति अभी से जागरुक होना पड़ेगा। अगर अभी से पर्यावरण के प्रति नहीं चेता जाएगा, तो हमारी आगे आनी वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा एवं पेयजल के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पर्यावरण और मनुष्य सदैव एक दूसरे के पूरक है।उन्होंने बताया कि आज पर्यावरण दिवस पर अधिकांश लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति ज्ञान बांटगे। लेकिन स्वयं वृक्षारोपण करने वाली जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेंगे। जो लोग पौधों को लगाएगे उनमें से 90 फीसदी लोग केवल सेल्फी लेने के लिए पौधा लगाएंगे। पौधा रोपने के बाद बाद में उसका क्या होगा उसे भूल जाएंगे।

थर्मल पॉवर प्लांट का ट्रायल, जल्द शुरू होगा उत्पादन

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-लोगों के लिए खुश खबरी है। थर्मल पॉवर प्लांट में एक यूनिट का ट्रायल सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया। अब सिर्फ बिजली बनाने की तैयारियां की जा रही है। विद्युत वितरण के एमडी ने तैयारियों का निरीक्षण भी कर लिया। जुलाई माह में बिजली का उत्पादन होने की संभावना है। मलावन में निर्माणाधीन थर्मल पॉवर प्लांट में पहला सफल परीक्षण कर लिया गया। अभी तेल से पहला ट्रायल हुआ है। एक यूनिट बनकर तैयार हो गई है। इसमें 660 मेगावाट बिजली बनाई जाएगी। परीक्षण होने की जानकारी पर शनिवार को विद्युत वितरण निगम के एमडी पी गुरूप्रसाद ने निरीक्षण भी किया। शनिवार को वह देरशाम तक प्लांट में रहे। उन्होंने हर बिंदू का बारीकी से निरीक्षण किया। दूसरा ट्रायल भी जुलाई माह से पहले कोयला से होना है। रेवले लाइन चालू ना होने के कारण

ट्रायल के लिए कोयला ट्रकों से मंगाया जा रहा है। अभी तक करीब एक लाख टन कोयला पहुंच चुका है। यह कोयला अभी अलीगढ़ से मंगाया जा रहा है। कोयले का सफल ट्रायल होते ही बिजली का उत्पादन होना शुरू हो जाएगा।

दूसरी यूनिट पर हुआ 40 फीसदी काम

एटा थर्मल पॉवर प्लांट में दो यूनिट बन रही है। एक यूनिट में 660 मेगावाट बिजली और इतनी ही बिजली का उत्पादन दूसरी यूनिट में भी होगा। एक दिन में 1320 मेगावाट बिजली का उत्पादन एटा करेंगा। दूसरी यूनिट पर भी 40 फीसदी से अधिक काम हो चुका है। इस पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। एक यूनिट का ऑयल से ट्रायल कर लिया गया है। दूसरा ट्रायल कोयला से होगा। इसकी तैयारियां तेजी से चल रही है। संभावना है कि जुलाई माह में बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसके लिए तेजी से काम किया जा रहा है।-अजय कटियार, चीफ इंजीनियर, थर्मल पॉवर प्लांट एटा

किशोरी आत्महत्या के मामले में शुरू हुई जांच

निशाकांत शर्मा-क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-किशोरी आत्महत्या करने के मामले में पिलुआ पुलिस ने जांच शुरू कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। बेटी को खोने के बाद घरवालों का रो-रो कर बुरा हाल है। बता दें कि शुक्रवार को थाना पिलुआ के एक गांव निवासी किशोरी ने खंडर में जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मामले में पिता ने आरोपी प्रशांत, इसके पिता, मां निवासी नगला कमले थाना जैथरा के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। पिता के आरोप थे कि आरोपी प्रशांत ने पहले शादी का वायदा बेटी से किया था और बाद में शादी करने से इंकार कर दिया था। आरोपी के पिता ने दहेज में दस लाख की मांग की थी। न देने पर शादी करने से इंकार कर दिया था। जिसके चलते बेटी ने आत्महत्या थी। पिलुआ पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

जन आरोग्य मेलों में पहुंचे 360 बच्चों में 60 कुपोषित

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-36 स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेला में 360 बीमार बच्चों में 60 कुपोषित मिले हैं। इसके अलावा बच्चे वायरल फीवर, डायरिया, त्वचा रोग से पीड़ित थे। इनको चिकित्सकों ने उपचार दिया। मेला में 1575 लोगों ने चिकित्सकों से परामर्श लिया। सीएमओ डा. उमेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि रविवार को 36 स्थानों पर मुख्यमंत्री जनआरोग्य मेलों का आयोजन हुआ। उसमें 1575 मरीज उपचार कराने पहुंचे। इनमें 360 बच्चे, 638 पुरुष और 577 महिलायें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जनआरोग्य मेला में मेला में 62 आयुष्मान कार्ड, 475 ने आरटीपीसीआर-165 ने एंटीजन किट से कोरोना जांच कराई। हेपेटाइटिस बी की 16, नेत्ररोग की 31, बुखार की 74, मलेरिया की 59, डेंगू की दो जांच हुई। लीवर के 62, सांस संबंधी बीमारियों के 85, पेट संबंधी बीमारियों 169, शुगर के 64, खुजली के 386, क्षयरोग के 24, खून कमी के 17, हाईपरटेंशन के 12, कैंसर की शून्य, 70 गर्भवती महिलाओं की जांच, 60 कुपोषित बच्चे, अन्य बीमारियों के 494 लोग जांच कराने पहुंचे। मेला में 11 मरीजों रेफर किया गया। इनको ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर 41 चिकित्सक, 244 पैरामेडिकल स्टाफ ने जांच कर उपचार दिया है।

वृक्ष धरा के है भूषण,जो करते दूर प्रदूषण

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एसएसपी एटा द्वारा पुलिस लाइन एटा पर किया गया वृक्षारोपण एवं वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त पुलिस कर्मियों को दिलाई गई शपथ, साथ ही जनपद के समस्त थानों एवं कार्यालयों पर भी हुआ शपथ एवं पौधारोपण का कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह द्वारा पुलिस लाइन्स एटा में आज दिनांक 05-06-2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा उपस्थित कर्मियों को वृक्षारोपण करने एवं वृक्षों के संरक्षण हेतु शपथ दिलाते हुए, बताया गया कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को बेहतर भविष्य के लिए पर्यावरण को सुरक्षित, स्वस्थ और सुनिश्चित बनाने के लिए मनाया जाता है । इन्सान भूल चुका है कि पर्यावरण व इन्सान का गहरा सम्बन्ध हैं, प्रकृति के बिना मानव जीवन सम्भव नहीं है, मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण को हानि पहुँचाते रहते हैं । महोदय द्वारा लोगों के बीच में पर्यावरण के बारे में जागरुकता फैलाने के साथ ही पृथ्वी पर साफ और सुन्दर पर्यावरण के सन्दर्भ में सक्रिय गतिविधियों के लिए लोगों व अपने परिवारीजन को प्रोत्साहित और प्रेरित करने हेतु बताया गया। *इस अवसर पर पुलिस कर्मियों और पुलिस परिवारों को निम्नलिखित बातों की ओर प्रेरित किया गया। 01- प्रकृति के महत्व और उससे प्राप्त सुविधाओं के बारे में सूचित किया गया। 02- हरियाली बढ़ाने के लिए, घरों के चारों ओर छोटे पौधों लगाए जाने चाहिए और लगे

हुए पेड़ों और पौधों को उनके अस्तित्व को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। 03- जन्मदिन, वर्षगांठ आदि पर अपने घर के आंगन में पौध लगाने के लिए प्रेरित किया गया । 04- मेहमानों को घरेलू आयोजनों, समारोहों आदि में फूल देकर उनका स्वागत / सम्मान करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि पेड़ों को बचाएं । 05- अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को संरक्षित किया जाना चाहिए?। 06- अपने घर का निर्माण करते समय पेड़-पौधों के लिए थोड़ी जगह छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। 07- हर घर में नम और सूखा कचरा रखने के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने के लिए प्रेरित किया गया । 08- यदि चलते समय या जॉगिंग करते समय रास्ते में कहीं कूड़े दिखाई दे तो, उसे उठाकर कूड़ेदान में डालने के लिए कहा गया। जल संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया - 01- ब्रश करते समय नल खुला न छोड़ें । 02- स्नान करते समय शॉवर का उपयोग नियंत्रित तरीके से किया जाना चाहिए 03- सफाई वाहनों आदि में पानी की बर्बादी न करें घर के फर्श, आंगन आदि की सफाई में पानी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए । 04- दाल-सब्जियों, चावल आदि को धोने के बाद, बचे हुए पानी को बर्तन में डाला जाना चाहिए, जो पौधों के लिए भी फायदेमंद होगा । 05- यदि सार्वजनिक स्थान पर पानी के नल बह रहे हैं, तो उन्हें बंद कर दें । 06- बर्तन धोते समय पानी का संयम से इस्तेमाल किया जाना चाहिए । 07- कपड़ों की धुलाई में, पानी का कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए । 08- पानी की टंकी भरने के बाद अनावश्यक पानी न बहने दें । 09- बर्तन, कपड़े आदि धोने के लिए जल शोधक से अप्रयुक्त पानी का उपयोग किया जा सकता है । 10- वर्षा जल का उचित उपयोग किया जाना चाहिए ।कार्यालय हो या घर का उपयोग बिजली के रूप में आवश्यक - 01- कमरे से बाहर निकलते समय बिजली के उपकरण जैसे- लाइट, पंखे आदि को बंद कर दें । 02- ए0सी0, टी0वी0 आदि का दुरुपयोग न हो । 03- घर में चलने वाले बिजली के उपकरणों को खरीदते समय बिजली बचाने और पर्यावरण की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए । 04- पुलिस लाइन्स/कार्यालय आदि परिसर में सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित लाइटों का उपयोग आवश्यकतानुसार किया जाना चाहिए । 05- बिजली की बचत को ध्यान में रखते हुए, विद्युत उपकरणों की सर्विसिंग नियमित रूप से की जानी चाहिए । आवश्यकतानुसार पेट्रोलियम ईंधन का उपयोग करें - 01- पेट्रोलियम उत्पाद सीमित हैं इसलिए, उन्हें बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए । 02- सामान्य रूप से सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। 03- यदि आपको लंबे समय तक ट्रैफ़िक सिग्नल पर रहना है, तो अपने वाहन के इंजन को बंद कर दें। अन्य सुझाव = 01- खाद्यान्न का दुरुपयोग न करें, साथ ही जरूरतमंदों और पशुओं आदि के लिए बचे हुए भोजन का उपयोग करें। सब्जी आदि लाने के लिए कपड़े के थैले/बैग का उपयोग किया जाना चाहिए ।

पहले बड़ी बहन से शादी, अब छोटी को ले उड़ा, धर्म परिवर्तन की कोशिश का आरोप

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़- कोतवाली इलाके की विवाहित महिला एक कारखाने में काम करती थी। इसी दौरान उसके साथ काम करने वाले युवक से संबंध हो गए। दोनों ने प्रेम विवाह कर साथ रहना शुरू कर दिया। अलीगढ़ महानगर के कोतवाली क्षेत्र के एक मजदूर परिवार की विवाहिता के एक युवक से प्रेम संबंध हो गए और उसके साथ पति-पत्नी की तरह रहने लगी। इस बीच युवक ने नाबालिग छोटी बहन पर डोरे डाल दिए और उसे ले उड़ा। मामले में नया मोड़ तब आया, जब बरामद होकर आई तो परिवार ने उसके धर्म परिवर्तन की कोशिश का आरोप लगा दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। प्रकरण में किशोरी के परिवार के समर्थन में कुछ भाजपाई भी पहुंचे। जिन्हें निष्पक्ष जांच का भरोसा मिला है। हुआ यूं कि कोतवाली इलाके की विवाहित महिला एक कारखाने में काम करती थी।

इसी दौरान उसके साथ काम करने वाले युवक से संबंध हो गए। दोनों ने प्रेम विवाह कर साथ रहना शुरू कर दिया। प्रेमी दंपती पर एक बच्चा भी हो गया। पिछले दिनों उसके प्रेमी ने उसकी नाबालिग बहन पर डोरे डाले और उसकी बहन को लेकर गायब हो गया। पुलिस ने प्रयास कर पिछले दिनों किशोरी को बरामद कर लिया। इसके बाद उसके परिवार की ओर से धर्म परिवर्तन की कोशिश का आरोप मढ़ दिया। इस खबर पर परिवार के समर्थन में भाजपा नेता विनय वार्ष्णेय आदि आ गए। मामले में सीओ स्तर से उन्हें समझाकर शांत किया गया। इधर, देर रात आरोपी जावेद को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वहीं कहा गया है कि किशोरी के स्तर से धर्म परिवर्तन की कोशिश जैसा कोई आरोप नहीं लगाया गया है। सीओ प्रथम के अनुसार आरोपी पीड़ित का जीजा है। पहले उसकी बड़ी बहन से शादी की है। बयानों में किशोरी ने सही तथ्य रखे हैं। उसी अनुसार कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

मुख्यमंत्री के जन्म दिन पर किसान नेता राजू आर्य ने किया ब्लड दान

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-आगरा ! उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के जन्म दिन पर आज सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (भानू) के राष्ट्रीय सगंठन मंत्री रंजीत कुमार उर्फ राजू आर्य द्वारा अपने साथी समर्थकों के साथ आगरा के देहली गेट स्थिति समर्पण ब्लड बैंक पर जाकर ब्लड दान किया गया ! किसानो के मसीहा हिन्दूवादी नेता राजू आर्य इससे पूर्व भी कई अवसरों पर अपना ब्लड दान कर चुके हैं ! उनका मानना है कि दान किया गया ब्लड किसी भी अनजाने पहचाने मरीज को संजीवनी प्रदान कर उसे जीवन की एक नई राह दिखा सकता है ! जन जन के प्रिय राजू आर्य ने मुख्यमंत्री आदित्य नाथ योगी के जन्म दिन पर ब्लड डोनिट कर कहा कि युवा ही देश का भविष्य है तथा उनके द्वारा ही अपना खून देकर किसी की जान बचाकर नऐ भारत का निर्माण किया जाना संभव है !

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

दबंगों से प्रताड़ित प्रधान: इस कदर कर दिया परेशान, लगाया 'घर बिकाऊ है' का बोर्ड, बोले-गांव छोड़ने को मजबूर

फिरोजाबाद में अनुसूचित जाति का युवक प्रधान बन गया तो दबंगों को रास नहीं आ रहा है। वह आए दिन प्रधान व परिवार के साथ गाली-गलौज व मारपीट करते हैं। पीड़ित ने घर बिकाऊ का बोर्ड लगाकर गांव छोड़ने की बात कही। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में अनुसूचित जाति का युवक का प्रधान बनना पूर्व प्रधान के समर्थकों को रास नहीं आ रहा है। वह आए दिन उसके व परिवार वालों के साथ गाली गलौज और मारपीट करते हैं। दबंगों के आतंक से परेशान महिला प्रधान व परिवार न्याय के लिए धरने पर बैठा है। उसने घर पर एक बोर्ड लगाया, इसमें लिखा-घर बिकाऊ है।

पूर्व प्रधान के समर्थक करते हैं प्रताड़ित

मामला शिकोहाबाद थाना क्षेत्र के डाहिनी ग्राम पंचायत का है। यहां जनता ने सुमन कुमार जाटव के व्यवहार को देखते हुए उन्हें ग्राम प्रधान के चुनाव में जीत दिलाकर प्रधान चुना। सुमन अनुसूचित जाति से आते हैं। अनुसूचित जाति का युवक का प्रधान बनना पूर्व प्रधान के समर्थकों (जो ज्यादातर यादव समाज से आते हैं) को रास नहीं आया। घर के बाहर धरने पर बैठ गए

इसको लेकर वह आए दिन किसी न किसी बात को लेकर प्रधान व उसके परिवार के साथ झगड़ा करते रहते हैं। उन्हें डराते, धमकाते रहते हैं। समाज में बेइज्जत करते रहते हैं। इनके आतंक से परेशान से होकर ग्राम प्रधान सुमन, उसके पिता गोवर्धन, ताराचंद, सावित्री, पूजा, सरस्वती, संजू, गुलाबी और सूरज सोमवार को घर के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने घर पर मकान बिकाऊ है का बोर्ड भी लगा दिया।

गांव छोड़ने को मजबूर प्रधान व परिवार

ग्राम प्रधान सुमन ने बताया कि गांव के दबंग लोग आए दिन मारपीट करते हैं। धमकाते हैं। थाने में कई बार शिकायत की लेकिन पुलिस आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय हमें ही प्रताड़ित करती है। शिकायत करने पर पुलिस पूरा-पूरा दिन थाने में बैठाए रखती है। पुलिस व गांव के दबंगों के आतंक से प्रताड़ित होकर हम व हमारा परिवार गांव की अपनी संपत्ति बेचकर गांव छोड़ने को मजबूर है।

बीएसएफ को 156 दिन में नहीं मिल सका स्थायी डीजी, केंद्र को न तो नए IPS पर भरोसा और न ही कैडर अफसर पर!

बीएसएफ को 156 दिन में नहीं मिल सका स्थायी डीजी, केंद्र को न तो नए ढक्कन पर भरोसा और न ही कैडर अफसर पर!

बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद कहते हैं, पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगते बॉर्डर पर तैनात सीमा सुरक्षा बल को नियमित डीजी मिलना चाहिए। डीजी की नियमित नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार संजीदा क्यों नहीं है। केंद्र सरकार की मनोनयन एंपेनल्ड सूची में दर्जनभर से ज्यादा आईपीएस अधिकारी मौजूद हैं देश की सबसे बड़ी बॉर्डर गार्ड फोर्स (बीएसएफ) को 156 दिन में भी स्थायी डीजी नहीं मिल सका है। पहली जनवरी से बीएसएफ महानिदेशक पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी, सीआरपीएफ डीजी डॉ. एसएल थाउसेन संभाल रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल के इतिहास में यह दूसरा मौका है, जब स्थायी डीजी का पद 150 दिन से भी ज्यादा समय तक खाली रहा है। इससे पहले 2020 में भी 158 दिन तक बीएसएफ को नियमित डीजी का इंतजार करना पड़ा था। उस वक्त आईटीबीपी डीजी एसएस देशवाल को बीएसएफ डीजी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। केंद्र में दर्जनभर आईपीएस मौजूद हैं, लेकिन सरकार किसी पर भरोसा नहीं जता रही। इसके अलावा कैडर अफसर हैं, मगर उन्हें बल महानिदेशक का अतिरिक्त कार्यप्रभार भी नहीं दिया जा रहा। दूसरी ओर, सीआरपीएफ में आईजी राजीव सिंह आईपीएस को मणिपुर का डीजीपी बना दिया गया। इससे पहले केंद्र सरकार ने तीन वर्ष के लिए राजीव सिंह को उनके मूल कैडर त्रिपुरा से मणिपुर में शिफ्ट कर दिया था। बीएसएफ के पूर्व अफसरों का कहना है कि नियमित डीजी न होने का असर बल की लॉग टर्म पॉलिसी पर पड़ता है। ऑपरेशनल जरुरतों पर गहराई से काम नहीं हो पाता है।

लंबे समय तक अतिरिक्त कार्यभार में न रहे पद

बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद कहते हैं, पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगते बॉर्डर पर तैनात %सीमा सुरक्षा बल% को नियमित डीजी मिलना चाहिए। डीजी की नियमित नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार संजीदा क्यों नहीं है। केंद्र सरकार की मनोनयन एंपेनल्ड सूची में दर्जनभर से ज्यादा आईपीएस अधिकारी मौजूद हैं, मगर सरकार को उनमें से कोई भी ठीक नहीं लग रहा। बीएसएफ के इतिहास में दो बार ही ऐसा हुआ है, जब फोर्स को पांच महीने बाद भी नियमित डीजी नहीं मिल सका। केंद्र सरकार, कैडर अधिकारी को महानिदेशक का अस्थायी कार्यभार भी नहीं देना चाहती। दो चार कैडर अधिकारी अगर एडीजी तक पहुंचते भी हैं, तो कुछ ही माह में उनका रिटायरमेंट आ जाता है। बीएसएफ की ऑपरेशनल जरूरतों के मद्देनजर और लंबे समय के लिए बनाई जाने वाली नीतियों को देखते हुए डीजी का पद लंबे समय तक अतिरिक्त कार्यभार में नहीं रहना चाहिए। बल की कार्मिक शाखा बहुत अहम होती है। बल छोड़ने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। हवलदार बनने में ही बीस वर्ष से ज्यादा समय लग रहा है। बल में इंस्पेक्टर, एसी, डीसी, टूआईसी, कमांडेंट और डीआईजी स्तर पर भी पदोन्नति की रफ्तार बहुत धीमी है। फोर्स को कौन से आर्मरी व्हीकल चाहिएं, ऑपरेशन का लक्ष्य और नए उपकरणों की खरीद, ऐसे मामलों में स्थायी डीजी, बेहतर तरीके से निर्णय ले सकते हैं।

केंद्र की मनोनयन सूची में हैं दर्जनों आईपीएस

केंद्र सरकार में डीजी या इसके समकक्ष पद ग्रहण करने योग्य आईपीएस अधिकारियों की मनोनयन %एंपेनल्ड% सूची को कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने गत दस फरवरी को मंजूरी प्रदान की थी। इसमें 1988 बैच से लेकर 1990 बैच तक के 20 आईपीएस का नाम शामिल था। इससे पहले 11 जुलाई 2022 को भी 1989 बैच के 14 आईपीएस अधिकारियों को उक्त सूची में शामिल किए जाने को मंजूरी दी गई थी। इसके बावजूद केंद्र सरकार में बीएसएफ डीजी के लिए कोई उपयुक्त आईपीएस अधिकारी नहीं मिल रहा। बल के गठन के बाद दूसरी बार ऐसा हो रहा है कि इतनी लंबी अवधि तक बीएसएफ को स्थायी डीजी नहीं मिल सका। 31 दिसंबर 2022 को पंकज कुमार सिंह रिटायर हुए थे, तभी से सीआरपीएफ डीजी डॉ. एसएल थाउसेन, इस पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं। पिछले दिनों बीएसएफ के पूर्व डीजी प्रकाश सिंह ने बीएसएफ में स्थायी डीजी न होने को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा था कि बीएसएफ में कई माह से कोई नियमित डीजी नहीं है। यह बहुत निराशाजनक है और बल की प्रशासनिक दक्षता के लिए ठीक नहीं है। फोर्स के मनोबल के लिए यह बुरा है।

काबिल अफसरों का टूट रहा मनोबल

इस पद के लिए योग्य अधिकारियों का कहना है, बीएसएफ डीजी जैसे अहम पद को लंबे समय तक खाली रखना ठीक नहीं है। इससे उन अफसरों का मनोबल टूट जाता है जो इस पद के काबिल हैं। सरकार, उन्हें जिम्मेदारी देने से क्यों बच रही है। इससे पहले भी एक ही आईपीएस को चार-पांच बलों का कार्यभार दिया जाता रहा है। सरकार का यह कदम, समकक्ष अफसरों की मानसिक पीड़ा को बढ़ाता है। साल 2018 में एसएस देसवाल को आईटीबीपी का डीजी बनाया गया। उनके पास एसएसबी का अतिरिक्त प्रभार भी रहा। उन्हें सीआरपीएफ डीजी का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। इसके बाद बीएसएफ के डीजी का पद भी उन्हें मिल गया। कुछ समय बाद राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के डीजी के रूप में भी उन्हें तैनात कर दिया गया। केंद्र में डीजी या उसके समकक्ष आईपीएस अधिकारी होने के बाद एक ही डीजी को इतने बलों का प्रमुख बना दिया जाता है। जब यह बात पहले से ही मालूम होती है कि कौन सा अधिकारी कब रिटायर होगा, तो सरकार के पास नए अधिकारी के चयन के लिए पर्याप्त समय रहता है।

रिटायरमेंट के अगले ही दिन नए डीजी के आने का चलन केएफ रुस्तमजी ने 21 जुलाई 1965 को बीएसएफ के पहले महानिदेशक का कार्यभार संभाला था। वे 30 सितंबर 1974 तक बल प्रमुख रहे। उनके बाद अश्वनी कुमार ने एक अक्तूबर 1974 को डीजी का पदभार ग्रहण किया। वे 31 दिसंबर 1978 तक रहे। श्रवण टंडन ने 1 जनवरी 1979 को बीएसएफ की कमान संभाली और 30 नवंबर 1980 तक बने रहे। उनके बाद के. राममूर्ति ने एक दिसंबर 1980 को डीजी का पदभार ग्रहण किया। वे 31 अगस्त 1982 तक इस पद पर रहे। बीरबल नाथ ने 2 अक्तूबर 1982 से 30 सितंबर 1984 तक डीजी का पद संभाला। एमसी मिश्रा, एक अक्तूबर 1984 से लेकर 31 जुलाई 1987 तक डीजी के पद पर बने रहे। एचपी भटनागर ने एक अगस्त 1987 को डीजी की कमान संभाली और 31 जुलाई 1991 तक इस पद बने रहे। टी. अनंथाचारी ने एक अगस्त 1991 को बीएसएफ डीजी का कार्यभार संभाला। वे 31 मई 1993 तक इस पद पर रहे।

प्रकाश सिंह ने संभाली थी बीएसएफ डीजी की कमान

प्रकाश सिंह ने 9 जून 1993 को डीजी की कमान संभाली और वे 31 जनवरी 1994 तक बने रहे। उनके बाद डीके आर्य को एक फरवरी 1994 को बल प्रमुख बनाया गया। उन्होंने 4 दिसंबर 1995 तक इस अपनी सेवाएं दी। अरुण भगत को चार दिसंबर 1995 को बल का कार्यभार सौंपा गया। वे एक अक्तूबर 1996 तक इस पद पर बने रहे। एके टंडन को एक अक्तूबर 1996 को बल प्रमुख बनाया गया। उन्होंने 4 दिसंबर 1997 तक अपनी सेवाएं दी। उनके बाद ईएन राममोहन ने 4 दिसंबर 1997 को बल की कमान संभाली और वे 30 नवंबर 2000 तक इस पद पर बने रहे। गुरबचन सिंह जगत को 30 नवंबर 2000 को बल की कमान सौंपी गई। वे 30 जून 2002 तक डीजी बने रहे। अजय राज शर्मा ने एक जुलाई 2002 को डीजी पद संभाला और 31 दिसंबर 2004 तक इस पद पर बने रहे। आरएस मूशाहरे ने दस जनवरी 2005 को बल की कमान संभाली और 27 फरवरी 2006 तक बने रहे। एके मित्रा को 27 फरवरी 2006 को बल की कमान सौंपी गई। उन्होंने 30 सितंबर 2008 तक इस पद पर कार्य किया। एमएल कौमावत ने 1 अक्तूबर 2008 से लेकर 31 जुलाई 2009 तक इस पद पर कार्य किया। रमन श्रीवास्तव ने एक अगस्त 2009 को बल प्रमुख का कार्यभार संभाला। वे 31 अक्तूबर 2011 तक इस पद पर बने रहे।

2020 और 2023 में नए डीजी की नियुक्ति में हुई देरी

एक नवंबर 2011 से लेकर 30 नवंबर 2012 तक यूके बंसल ने बल की कमान संभाली। सुभाष जोशी ने 19 दिसंबर 2012 से 28 फरवरी 2014 तक बल का नेतृत्व किया। डीके पाठक को 8 अप्रैल 2014 को बल प्रमुख बनाया गया। वे 29 फरवरी 2016 को सेवानिवृत्त हुए। उनके बाद केके शर्मा ने एक मार्च 2016 को डीजी का पदभार ग्रहण किया। वे 30 सितंबर 2018 तक इस पद पर बने रहे। रजनीकांत मिश्रा ने 1 अक्तूबर 2018 को बल प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली। वे 31 अगस्त 2019 तक इस पद पर बने रहे। वीके जौहरी ने एक सितंबर 2019 से लेकर 11 मार्च 2020 तक डीजी का पदभार संभाला। उसके बाद लंबे समय तक बल को स्थायी डीजी नहीं मिल सका। आईटीबीपी डीजी एसएस देसवाल को 12 मार्च 2020 से लेकर 17 अगस्त 2020 तक बीएसएफ डीजी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। 18 अगस्त 2020 से लेकर 28 जुलाई 2021 तक राकेश अस्थाना को डीजी बनाया गया। 31 अगस्त 2021 से लेकर 31 दिसंबर 2022 तक पंकज कुमार सिंह ने बल प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली।

BSF को स्थायी डीजी का इंतजार!

- फिलहाल CRPF डीजी डॉ. एसएल थाउसेन के पास है BSF महानिदेशक पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी
- BSF के इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब पांच महीने बाद भी नियमित डीजी नहीं मिला
- नियमों के मुताबिक रिटायरमेंट के अगले ही दिन नए डीजी के आने का चलन
- बल की लॉग टर्म पॉलिसी पर पड़ता है असर, ऑपरेशनल जरूरतों पर नहीं हो पाता है काम

बाइक को टक्कर मारते हुए पोल से टकराया वाहन, कोचिंग से लौट रहे छात्र की मौत, एक घायल

पीडीडीयू नगर के आलू मिल चौकी के सामने सोमवार सुबह एक अनियंत्रित मैजिक ने बाइक में टक्कर मार दी और उसके बाद बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे में कोचिंग से लौट रहे बाइक सवार एक किशोर की मौत हो गई। पीडीडीयू नगर के आलू मिल चौकी के सामने सोमवार सुबह एक अनियंत्रित मैजिक ने बाइक में टक्कर मार दी और उसके बाद बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे में कोचिंग से लौट रहे बाइक सवार एक किशोर की मौत हो गई। वहीं दूसरा किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें शांत कराया। अलीनगर थाना क्षेत्र के गोधना गांव निवासी प्रवीन यादव (16) और मिथिलेश (17) सोमवार सुबह पीडीडीयू नगर से कोचिंग से घर लौट रहे थे। आलू मिल पुलिस चौकी के सामने आ रही तेजरफ्तार मैजिक ने किशोरों की बाइक में टक्कर मार दी और बिजली के पोल से जा टकराई। जिससे प्रवीण की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मिथिलेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया और छात्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रों के परिजनों में कोहराम मचा है।

महिला ने अर्द्धनग्न शरीर पर बच्चों से कराया था पेंट, हाईकोर्ट ने नग्नता को लेकर की बड़ी टिप्पणी

केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को अपने एक फैसले में एक महिला अधिकार कार्यकर्ता को पोक्सो के आरोपों से रिहा करते हुए कहा कि नग्नता और अश्लीलता हमेशा एक दूसरे पर्यायवाची नहीं होते। कोर्ट ने कहा कि अक्सर लोगों को उनके शरीर की स्वायत्ता के अधिकार से वंचित किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि महिला ने अपने शरीर पर पेंटिंग कराई और इससे सिद्ध नहीं होता कि यह कोई यौन क्रिया नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि महिला ने बच्चों को सिर्फ कैनवास की तरह अपने शरीर को पेंट करने की अनुमति दी। यह एक महिला का अधिकार है कि वह अपने शरीर को लेकर स्वायत्त फैसले ले सकती है।

महिला के खिलाफ दर्ज हुआ था पोक्सो के तहत मामला

महिला अधिकार कार्यकर्ता रेहाना फातिमा पर पोक्सो के तहत केस दर्ज किया गया था। महिला पर आरोप है कि उसने एक वीडियो को साझा किया था, जिसमें वह अपने अर्द्धनग्न शरीर पर अपने नाबालिग बच्चों से पेंटिंग बनवाती नजर आ रही है। इस मामले में महिला के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

हाईकोर्ट ने की अहम टिप्पणी

केरल हाईकोर्ट की जस्टिस कौसर एदापगथ ने महिला को पोक्सो के तहत आरोपों से बरी करते हुए कहा कि यह संभव नहीं है

कि बच्चे किसी यौन क्रिया के तहत यह काम कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि महिला ने बच्चों को सिर्फ कैनवास की तरह अपने शरीर को पेंट करने की अनुमति दी। यह एक महिला का अधिकार है कि वह अपने शरीर को लेकर स्वायत्त फैसले ले सकती है। यह उसके समानता और निजता के मौलिक अधिकार के तहत आता है।

साथ ही संविधान का अनुच्छेद 21 भी उसे इसकी इजाजत देता है। हाईकोर्ट में अपनी अपील में महिला ने सवाल उठाया कि महिला के शरीर के ऊपरी हिस्से को कामुक बताया जाता है जबकि पुरुषों के साथ ऐसा नहीं होता। कोर्ट ने महिला की दलील को सही मानते हुए बच्चों द्वारा मां के शरीर पर पेंटिंग करने को यौन क्रिया नहीं माना।

आधुनिकता की देन है पर्यावरण प्रदूषण: जिसके कारण ही पूरा ब्रह्मांड संकट के दौर मे

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद मे विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर स्थित गुरु विरजा नंद आर्ष गुरुकुल भोलेपुर में पर्यावरण गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण एवं उसके निवारण पर विचार प्रस्तुत किये। गुरूकुल के ब्रह्मचारियों ने औषधि युक्त सामिग्री से यज्ञ किया।श आचार्य ओमदेव ने यज्ञ संपन्न कराया कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरूकुल के अधिष्ठाता आचार्य चंद्रदेव शास्त्री ने की उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि अग्निहोत्र अर्थात यज्ञ पर्यावरण शुद्धि का सर्वोत्तम साधन है यज्ञ आज केवल धार्मिक कर्मकांड तक ही सीमित नहीं रह गया है यह शोध का विषय भी बन गया है अमेरिका में यज्ञ पर शोध हुए हैं और प्रायोगिक परीक्षणों से पाया

गया है कि वृष्टि जल एवं वायु की शुद्धि पर्यावरण संतुलन एवं रोग निवारण में यज्ञ की अहम भूमिका है प्रकृति में मौजूद समस्त जैविक और अजैविक घटक पर्यावरण की संरचना में सहायक हैं अर्थात् भूमि जल वायु वनस्पति जंतु मानव और सूर्य प्रकाश पर्यावरण के घटक हैं पृथ्वी पर जीवन की निरंतरता बनी रहे इसके लिए प्रकृति के घटकों का एक निश्चित अनुपात तथा संतुलित रहना जरूरी है तभी हमारा वर्तमान और भविष्य सुरक्षित रह सकता है सं आज विज्ञान सम्मत है क्योंकि यज्ञ का उद्देश्य पंचभूतों की शुद्धि है जो हमारे पर्यावरण का अंग हैं यज्ञ का वैदिक उद्देश्य भी पर्यावरण शुद्धि एवं संतुलन है हरिओम शास्त्री ने कहा कि ऋषियों ने इसका अर्थ दिया है कि भौतिक अग्नि पदार्थों के सूक्ष्मातिसूक्ष्म होने पर उनकी क्रियाशीलता उतनी ही बढ़ जाती है यह एक वैज्ञानिक सिद्धांत है उन्होंने कहा हम सभी को अपने पारिवारिक आयोजनों को वृक्ष लगाकर ही मनाना चाहिए जिससे प्राकृतिक का संतुलन बचा रहे इस अवसर पर गुरूकुल परिसर में औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया जिसमें ब्रह्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया आज के कार्यक्रम में इंदजीत आय.र्सुरेश चंद वर्मा.हर्ष आय.उदयराज आय.र्यज्ञ प्रताप आर्य, बनबारी लाल शिवम आर्य,ब्रह्मचारी अहम आर्य उदिता आर्या आदि उपस्थित रहे

अनेकों मांगों को लेकर राहुल जैन ने नगर पालिका पर शुरू कर दिया आमरण अनशन

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद - आखिरकार फर्रुखाबाद विकास मंच के नगर अध्यक्ष राहुल जैन को नगर पालिका से न्याय नहीं मिला मजबूर उन्होंने दोपहर से नगर पालिका कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू कर दिया है श्री जैन ने पूर्व में ही जिलाधिकारी को अपनी मांगों के संबंध में अवगत कराते हुए आमरण अनशन किए जाने की जानकारी दे दी थी. 4 सूत्री मांगों में गैरकानूनी तरीके से होडिंग विज्ञापन आदि के किराया वसूली के दिए गए ठेके को निरस्त किए जाने.उच्च न्यायालय के आदेशानुसार रुपए जमा करा कर कार्य प्रारंभ कराने.फर्जी दर्ज किए गए मुकदमे को वापस लेने एवं बिजली के पोलो पर लकड़ी के फ्रेम वाले होर्डिंग व कटआउट का किराया प्रतिमाह लिए जाने की मांग की गई है. फर्रुखाबाद विकास मंच के संयोजक मोहन.अग्रवाल एवं व्यापारी नेता अंकुर श्रीवास्तव ने अनशन स्थल पर बैठकर

राहुल जैन व उनके साथियों का मनोबल बढ़ाया राहुल जैन के साथ नीरज कश्यप भी आमरण अनशन पर हैं उनके सहयोग के लिए मनीष अग्रवाल प्रमोद बाजपेई आकाश गुप्ता अमन जैन विकास जैन अवनीश गुप्ता ईशान साथ शमशाद मेहराव अली रतन कश्यप ऋषि गुप्ता आदि साथियों ने भी धरना देकर सहयोग किया है. माना जा रहा है कि नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी ने राहुल जैन की मांगों को नजरअंदाज कर दिया है.नहीं तो वह पहले ही समस्या का समाधान करके आमरण अनशन को टाल सकते थे. समाजसेवी मोहन अग्रवाल ने एफबीडी न्यूज़ को बताया कि नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी ने 10 लाख के स्थान पर 70 लाख रुपए वसूलने की योजना बनाई है भाजपा के बड़े नेता का वरदहस्त प्राप्त होडिंग ठेकेदार की गुंडागर्दी के विरोध में अपने परिवार का पेट पालने की चाह रखने वाले राहुल जैन व नीरज कश्यप ने मजबूर आमरण अनशन शुरू किया है. देखना है कि अब अधिशासी अधिकारी कब तक आमरण अनशन को नजरअंदाज करेंगे. और राहुल जैन कब तक आमरण अनशन के लिए डटे रहेंगे. यदि देखा जाए तो इस मामले में समाजसेवी मोहन अग्रवाल व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बत्सला अग्रवाल के पति मनोज अग्रवाल की हार जीत का मामला है.नगर वासियों की इस ओर निगाह लग गई है कि अब देखना है कि बस्सला अग्रवाल क्या करती है

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिलाई शपथ

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच
अलीगढ़- अकराबाद - नेशनल हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर विश्व पर्यावरण दिवस पर परियोजना निदेशक पीके कौशिक व वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक एचके राय ने टोल प्लाजा परिसर में पौधरोपण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने अधीनस्थों को पर्यावरण सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई।
कहा वह प्रतिज्ञा करते है कि पर्यावरण को बचाने के लिए अपने दैनिक जीवन में हरसंभव बदलाव लाउंगा। अपने परिवार, मित्रों और अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत रुप से प्रेरित करुंगा। इस मौके पर प्रबंधक तकनीक ओमेंद्रा, टोल मेनेजर नरेंद्र ठाकुर, हितेश यादव, मोहित चौधरी, राजीव सिकरवार, रिषी यादव, राकेश नायक,कुलदीप सिकरवार, अश्विनी गुप्ता, कैलाश,नरेंद्र, रोहित, व पुष्पेन्द्रसिंह सहित एनएचएआई व टोल कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं विकास खंड परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर बीडीओ लियाकत अली, एडीओ पंचायत सतीश कुमार सिंह, एडीओ कृषि योगेश शर्मा, एपीओ मनरेगा सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने पौधारोपण किया।

एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट में: छात्रों ने नाटक के जरिए पर्यावरण को सुरक्षित रखने का दिया संदेश

हारुन बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित जोगराज स्थित एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट में आज पर्यावरण दिवस कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने नाटक के माध्यम से वन ही जीवन है लघु नाटिका के माध्यम से देव मयंक राजन निखिल उज्जवल आशीष आदि ने पर्यावरण को सुरक्षित रखने का सन्देश दिया इशू, स्नेहा प्रिंसी.प्रिया मिश्रा सोमना वंशिका संध्या पायल ने सेव प्लांट सेव लाइफ पर नृत्य प्रस्तुत किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ प्रभात गुप्ता ने कहा कि हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है इस विशेष दिन को मनाने का

उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना है आज औद्योगिक करण के दौर में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई चिंता का विषय बन गया है हमें उस पर विचार करके अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए संस्था की प्रबंध निदेशक आकांक्षा सक्सेना ने कहा कि जिस प्लास्टिक को हम कचरा समझ कर कुएं में फेंक देते हैं असल में वही प्लास्टिक हमारे पर्यावरण को दूषित कर रही है और हमें खतरे में डाल रही है ऐसे में प्लास्टिक से हो रहे पर्यावरण को नुकसान से बचाने की आवश्यकता है उन्होंने कहा हकीकत पर गौर करें तो आज हम पूरी तरह से प्लास्टिक से घिरे हुए हैं हमारे घरों में पानी की बोतल से लगाकर बाल्टी तक ब्रश से लगाकर टूथपेस्ट तक बाजार की चीजों से लगाकर घरेलू सामान तक सब कुछ प्लास्टिक से बना है यह प्लास्टिक हमारे जीवन को बहुत ही नुकसान पहुंचा रही है कार्यक्रम का संयोजन संयुक्त रूप से शिल्पी सक्सेना सोनम शुक्ला नेहा सिंह सुपर्णा मिश्रा ने किया. कार्यक्रम में पूर्णिमा दीक्षित वैदिक आदज सोनाली यंशिका आदि उपस्थित रहे इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता मॉडल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रशस्ति व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय ने सभी का आभार प्रकट किया

टहलने निकली महिला को लालगेट स्थित निजी बस अड्डे के पास अज्ञात वाहन ने कुचला

श्याम जी कश्यप
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -टहलने निकली महिला को लालगेट स्थित निजी बस अड्डे के पास अज्ञात वाहन ने कुचलाएंबुलेस न आने परिजनों ने ई रिक्शा से घायल महिला को जिला अस्पताल में कराया भर्तीप्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने हायर सेंटर किया रेफर परिजन घायल महिला को कई निजी अस्पतालों में लेकर गए, डॉक्टर नहीं मिलने पर पुन जिला अस्पताल लाए जिला अस्पताल में डॉक्टर ने चिकित्सीय परीक्षण के बाद घायल महिला को किया मृत घोषित कादरी गेट चौराहा निवासी रीता सक्सेना 46 वर्ष

को काफी समय से सुबह टहलने की है आदत सुबह करीब पांच बजे रीता घर से टहलने के लिए निकली थीकरीब सवा पांच बजे एक अखबार वाले हॉकर ने रीता के घर पहुंच परिजनों को उनके घायल होने की दी जानकारी आनन फानन में रीता का पुत्र विकास व पति कमलेश सहित अन्य परिजन मौके पर पहुंचेविकास ने आनन फानन में 108 एंबुलेस को फोन लगाया, चालक ने काफी दूर होने की बात कह पहुंचने में आधे घण्टे का समय बतायापरिजन घायल रीता को ई रिक्शा से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायल हायर सेंटर रेफर होने पर परिजन शहर के कई निजी अस्पतालों में ले गएसवा आठ बजे पुन जिला अस्पताल लेकर आएईएमओ डॉक्टर अरविंद कनौजिया ने महिला को मृत घोषित कर शव मोर्चरी में रखवा दिया करीब साढ़े 11 थाना कादरी गेट पुलिस ने पहुंच मृतका के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम को भेज दियाथाना कादरी गेट क्षेत्र के लालगेट स्थित निजी बस अड्डे का मामला

अलीगढ़ के मशहूर साहित्यकार व शब्द शब्द दर्पण किया

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच
अलीगढ़-परिवार व साप्ताहिक ई पत्रिका के संस्थापक व प्रधान सम्पादक मानव सिंह राणा सुओम की कविताओं की शूटिंग साधना टीवी पर की गई। रामबाबू गुप्ता गुरूजी (रिटायर्ड पीसीएस),राजेंद्र पाल सिंह, ओम प्रकाश सिंह राणा (रिटायर्ड अध्यापक), एडवोकेट अमर पाल सिंह भदौरिया, अमित सक्सेना, योगेंद्र कुमार गुप्ता, संजय वार्ष्णेय, डॉ सौरभ, योगेंद्र

गुप्ता, सक्षम सिंह, वर्तिका सिंह, ममता सिंह, रश्मि सिंह, अमृता सिंह, रचना गुप्ता सीमा वार्ष्णेय, श्वेता वार्ष्णेय, कान्हा, अतुल वार्ष्णेय,आदि ने बैठक में बहुत बहुत बधाईयाँ दी हैं। बाद में मानव सिंह राणा सुओम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दहेज के कारण मां साहित पत्नी की हत्या करने वाले पति व ससुर दोषी पाएगा

हारुन बख्श-क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेंद्र सिंह ने मां सहित बेटी की हत्या करने वाले पति व ससुर को मुकदमे की सुनवाई के दौरान दोषी करार दिया है थाना नवाबगंज के ग्राम सातनपुर निवासी सुशील चंद्र ने थाना मऊदरवाजा के जसमई निवासी अवधेश दीक्षित एवं उनके बेटे प्रशांत और सीटू के विरुद्ध 24 मार्च 2011 को दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी सुशील ने अपनी बेटी शिल्पी का 4 वर्ष पूर्व प्रशांत उर्फ शीलू के साथ विवाह किया था कम दहेज से नाराज पिता पुत्र ने एक लाख रुपए की मांग की रुपए न मिलने पर शिल्पी को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया रुपए न मिलने पर ससुराल वालों ने शिल्पी को मार डालने की धमकी दी सुशील ने 22 मार्च 2011 को पत्नी उषा को शिल्पी की ससुराल भेज दिया इस दौरान भी शिल्पी को प्रताड़ित किया गया सुशील को 24 मार्च को सुबह सूचना मिली कि अब अवधेश व प्रशांत ने तुम्हारी पुत्री व पत्नी की हत्या कर दी है अभियोजन पक्ष की ओर से अशोक कटियार एडवोकेट तेज सिंह राजपूत व अनुज प्रताप सिंह एडवोकेट ने जोरदार पैरवी की जिसके कारण पिता-पुत्र दोषी पाए गए अदालत के आदेश पर आरोपियों को हिरासत में लिया गया अदालत 6 मई को दोषी पिता पुत्र को सजा सुनाएगी

समस्त कार्डधारी शा.उ.मु.दुकान में कराये eKYC

रामचंद्र जायसवाल -क्यूँ न लिखूँ सच
सूरजपुर- संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण नवा रायपुर के द्वारा समस्त कलेक्टरों को पत्र जारी कर सभी राशन कार्डधारियों व सदस्यों के eKYC 30 जून 2023 तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। राशन कार्ड में आधार लिंक या आधार सीडिंग मालब ई पॉस मशीन के माध्यम से किया जाना है।
जिले के 778221 राशनकार्डधारी सदस्यों में से 65624 सदस्यों का ही आधार सत्यापन ई-पॉस मशीन के माध्यम से किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार वन नेशन वन राशन कार्ड योजनांतर्गत सभी NFSA हितग्राहियों को eKYC कराया जाना है। अत: जिले के समस्त राशनकार्डधारी सदस्यों से अपील है
कि अपने नजदीकी शासकीय उचित मूल्य दुकान में जाकर eKYC 30 जून 2023 के पूर्व करा लें। इसके लिए हितग्राहियों को आधार कार्ड लेकर जाना तथा शासकीय उचित मूल्य दुकान के ई-पॉस मशीन में अपना अंगूठा लगाकर eKYC पूर्ण करें। 30 जून तक eKYC पूर्ण करने हेतु खाद्य अधिकारी श्री विजय किरण के मार्ग दर्शन में सोमवार को अग्रसेन भवन में जनपद पंचायत सूरजपुर के समस्त दुकान संचालकों को सहायक खाद्य अधिकारी श्री संदीप भगत एवं खाद्य निरीक्षक श्री नीतिश कुमार द्वारा आधार सत्यापन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।
इसी कड़ी में फोर्टिफाईड चावल का भंडारण एवं वितरण ट्रक चालान की प्राप्ति नापतौल मशीन एवं ई-पॉस मशीन में आने वाले समस्याओं के संबंध में जिला एवं ब्लॉक स्तर के तकनीकी अमलाओं द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

पैसा उगाही मामले में थाना प्रतापपुर पुलिस ने 1 आरोपी को किया गिरफ्तार

रामचंद्र जायसवाल -क्यूँ न लिखूँ सच
सूरजपुर- वन परिक्षेत्राधिकारी कदौरा विरेन्द्र पाण्डेय ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 28 मई 23 को इनके मोबाईल पर नए नंबर से फोन करके चुनाव फण्ड के नाम से पैसा की मांग किया गया तब यह पैसा देने से मना करते हुए फोन काट दिये। 4 जून के शाम को क्रेटा कार सीजी 30 डी 9123 से ग्राम डौरा का अभिषेक गुप्ता अपने साथी के साथ इसके घर में घुसकर प्रदेशाध्यक्ष का पैसा लेने आए है बोला गया तब इसने पैसा देने से मना किया, आरोपियों के द्वारा गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए ईट का टुकड़ा उठाकर फेंक कर मारे। शोर शराबा की आवाज सुनकर आसपास के लोग आने लगे तो उन्हें देखकर वे अपने क्रेटा कार को छोड़कर मौके से भाग गए, पूर्व में भी फोन कर पैसे की मांग की गई थी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्र. 119/23 धारा 452, 294, 506, 336, 384, 34 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। प्रतापपुर पुलिस के द्वारा घटना स्थल पर आरोपियों द्वारा क्रेटा कार को छोड़कर भाग गए थे उसे जप्त कर सघनता से आरोपियों की पतासाजी करने के दौरान मुखबीर की सूचना एवं नई तकनीक की मदद से आरोपी अभिषेक गुप्ता पिता महेन्द्र प्रसाद गुप्ता उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम डौरा, थाना पस्ता, जिला बलरामपुर को दबिश देकर पकड़ा गया। छताछ पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बीट प्लास्टिक अभियान प्रदूषण नियंत्रण ही समाधान डॉक्टर चंचल श्रीवास्तव

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा-विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में खंडेलवाल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी में बीट प्लास्टिक अभियान के तहत प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान प्रदूषण प्रदूषण के निस्तारण एवं उसके समाधान के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें लगभग दो सौ से अधिक बच्चों प्रतिभाग लिया , क्विज प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष फर्स्ट ईयर की टीम प्रथम स्थान, जेबीसी सेकंड ईयर की टीम द्वितीय स्थान, पीपीटी प्रथम स्थान- मो.अली, द्वितीय स्थान दीक्षा, पोस्टर में जेसिका राठौर प्रथम, ज्योति पटेल द्वितीय स्थान पर रही के साथ-साथ रैली का आयोजन हुआ मुख्य वक्ता के रूप में डॉ डी.के सक्सेना, डॉ अरविंद सक्सेना जी ने बच्चों को दैनिक जीवन में छोटे-छोटे उपयोग होने वाले प्लास्टिक और उनके निस्तारण के लिए उपाय साझा किए। बायोलॉजिकल सोसाइटी के छात्रा दीक्षा की टीम के द्वारा रोल प्ले करके जागरूक किया गया तथा बीएड के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संतुलन के लिए प्रभावी एवं रोचक प्रस्तुति दी। इस मौके पर सीनियर सिटीजन क्लब की और से आए सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण उपाय साझा किए और सीनियर सिटीजन सदस्यों द्वारा परिसर में वृक्षारोपण भी किए गए । दीप्ति रोहतगी तथा कुमारी अमायरा ने भी रोचक प्रस्तुति दी। कहा वृक्ष लगाएंगे नहीं तब हम सब फिर कैसे सांस ले पाएंगे ।हम इस मौके पर कॉलेज के महानिदेशक डॉ.अमरेश कुमार, प्राचार्य डॉ आर.के सिंह बच्चों की प्रतिभाग करने के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया ।डॉ रेखा गंगवार, डॉ मनोज जोशी डॉ चंचल श्रीवास्तव डॉ मोनिका सक्सेना के साथ-साथ तमाम स्टाफ भी मौजूद रहा।

नगर पंचायत रिठौरा में वृक्षारोपण हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। नगर पंचायत रिठौरा में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान नगर पंचायत परिसर में अशोक, गुलमोहर, अनार आदि के पेड़ लगाए गए। इस मौके पर अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि समय समय पर कस्बे में ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। इस दौरान

अमित कुमार गुप्ता, बाबू ओमप्रकाश, सभासद मनोज कुमार, धनपाल सिंह, गिरीश चन्द्र शर्मा, पूर्व सभासद इसरार आदि मौजूद रहे।

Ravi Shastri's big disclosure on the 1983 tour of Pakistan, pointed towards ball tampering

Ravi Shastri has accused of ball tampering (tampering with the ball) on the tour of Pakistan in 1983. He said there was a nail, lid, bottle opener all being rubbed over the ball. Shastri had played an inning of 128 runs in this match. Former India head coach Ravi Shastri pointed to ball tampering during the 1983 tour of Pakistan. At the ICC event at The Oval on Sunday, when famous commentator Harsha Bhogle asked Shastri, in front of Pakistani bowler Wasim

Akram and former Australian captain Ricky Ponting, which of your innings did you like the most, he said, "When I played against Pakistan in Lahore." Scored his first century against. Allegations of ball tampering - During this, he also talked about ball tempering. Shastri said that when I scored my first Test century against Pakistan, a lot was happening there. There were two umpires along with Imran Khan and Sarfaraz Nawaz. Everything was happening there fiss fiss (indicating rubbing the ball). Nails, lids, bottle openers were all being rubbed against the ball. In this match played in Karachi, Shastri scored an inning of 128 runs. Khalegi Bumrah's absence: Describing the Australian bowling attack as a bit better in the WTC final, Shastri said that if the Indian team had Jasprit Bumrah, the bowling attack of both the teams would have been similar, but Australia have Pat Cummins and Mitchell Starc. Australia has the upper hand - Shastri said that both the teams are the best in the world at the moment as both have played brilliantly in the last two years. At the same time, Ponting said that Australia has a slight upper hand in the WTC final. Oval conditions are more favorable to Australia than India. Both the teams deserved to make it to the WTC finals as they played exceptionally well.

Shubman Gill arrived late for net practice at The Oval, the magic of the bat could not work

Indian team players were seen practicing for the World Test Championship at The Oval. After fielding practice, Gill went to the dressing room. Gill, who has been in fine form, found it difficult to play the bouncy ball during practice. Abhishek Tripathi, London. When the Indian team came to practice for the first time at the Oval, the atmosphere of the team was funny. From Virat Kohli to Ravindra Jadeja, Rohit Sharma, Shardul Thakur, everyone was

joking with each other. In the beginning, everyone practiced running, drilling and catching. For several months in England, Cheteshwar Pujara-Kohli were seen eating ice-cream during the realization. He needed something, so he looked at Cheteshwar Pujara and said that you are from England, you do some jugaad. It is known that Cheteshwar has been captaining the Sussex county team by staying in England for several months. In the beginning it was just joking around. Gill went to the dressing room after fielding- Virat, giving a reaction of stopping the ball by bending his legs, told Gill that while fielding the ball should come at a speed of 110 or Khaleel Ahmed stops it like this at 10. After fielding practice, Gill went to the dressing room and from near the nets, coach Rahul Dravid looked at the manager and shouted, "Where is Gill?" The manager said coming in two minutes, Dravid said tell him to come down quickly. Gill had to wait – although it took five minutes for Gill to arrive. Initially, Dravid made the openers bat in the nets. Rohit and Gill were supposed to bat in the first two nets, but they did not turn up within two minutes, so Dravid put Rohit and Virat out to bat in different nets. When Gill came, Dravid made him wait. When Virat finished batting, he sent Gill to the net. Gill appeared in trouble in playing Test – Gill, who scored the highest 890 runs in 17 matches with three centuries in IPL, is in excellent form at the moment, but practicing on Sunday Samay Gill had trouble playing the bouncy ball and especially Shami's bouncy deliveries. When he came into Test mode from IPL, he was leaving most of the balls. He was also leaving the length ball, because here you can trust the bounce of the pitch because the bounce remains the same here.

Sehwag came forward to help children who lost their relatives in Odisha train accident, will bear the burden of education

Sehwag also took to social media to express his condolences to the victims. He also announced that his school would provide free education and accommodation to children who lost their parents in the accident. It may be noted that three trains had met with an accident in Odisha on Friday. These include the Bengaluru-Howrah Superfast Express, the Shalimar-Chennai Central Coromandel Express and a goods train. 275 people died in the accident. At the same time, 1100 people were injured. After this heart-wrenching accident, people across the country expressed grief. Free education will be given to the victim's children - In such a situation, Sehwag also took the support of social media to express his condolences to the victims. He also announced that his school would provide free education and accommodation to children who lost their parents in the accident. Posting a picture of the accident, he wrote in the caption, "This picture will haunt us for a long time. The least I can do in this hour of grief is to ensure the education of the children of those who lost their lives in this painful accident." I will give free education to such children in the boarding facility of Sehwag International School." Many sportspersons had expressed their condolences – At the same time, many other sportspersons including former India captain Virat Kohli and Olympic gold medalist Abhinav Bindra had expressed their condolences on the devastating train accident in Odisha. Kohli is in England with the Indian team for the World Test Championship final against Australia at The Oval from June 7. He wished for the speedy recovery of the injured. Sports Desk. Former Indian opener batsman Virender Sehwag has made a big announcement regarding the Odisha train accident. Sehwag wrote on social media that his school would provide free education and complete accommodation to children who lost their parents in the accident. Posting a picture of the accident, he wrote that this picture will haunt us for a long time.

Team India's intentions strong for the finals, Umesh Yadav, trapped in the circle of fitness, also sweated profusely.

Umesh Yadav's fitness was initially in doubt. Umesh practiced hard in the ongoing practice session in London for the World Test Championship. Meanwhile, the lower order is also being prepared for batting. LONDON: Pacer Umesh Yadav's fitness was initially in doubt but Dravid made him bat for a long time on Sunday. Dravid brought Umesh to bat on the

fourth net in the beginning and made him bat for more than half an hour. Emphasis on lower-order batting – In 2021, fast bowlers Shami and Bumrah played a blistering innings at Lord's to give India a Test against England in difficult conditions. I was given victory. This time there is no Bumrah, but the team management wants Umesh to live up to it if the lower order has to bat.

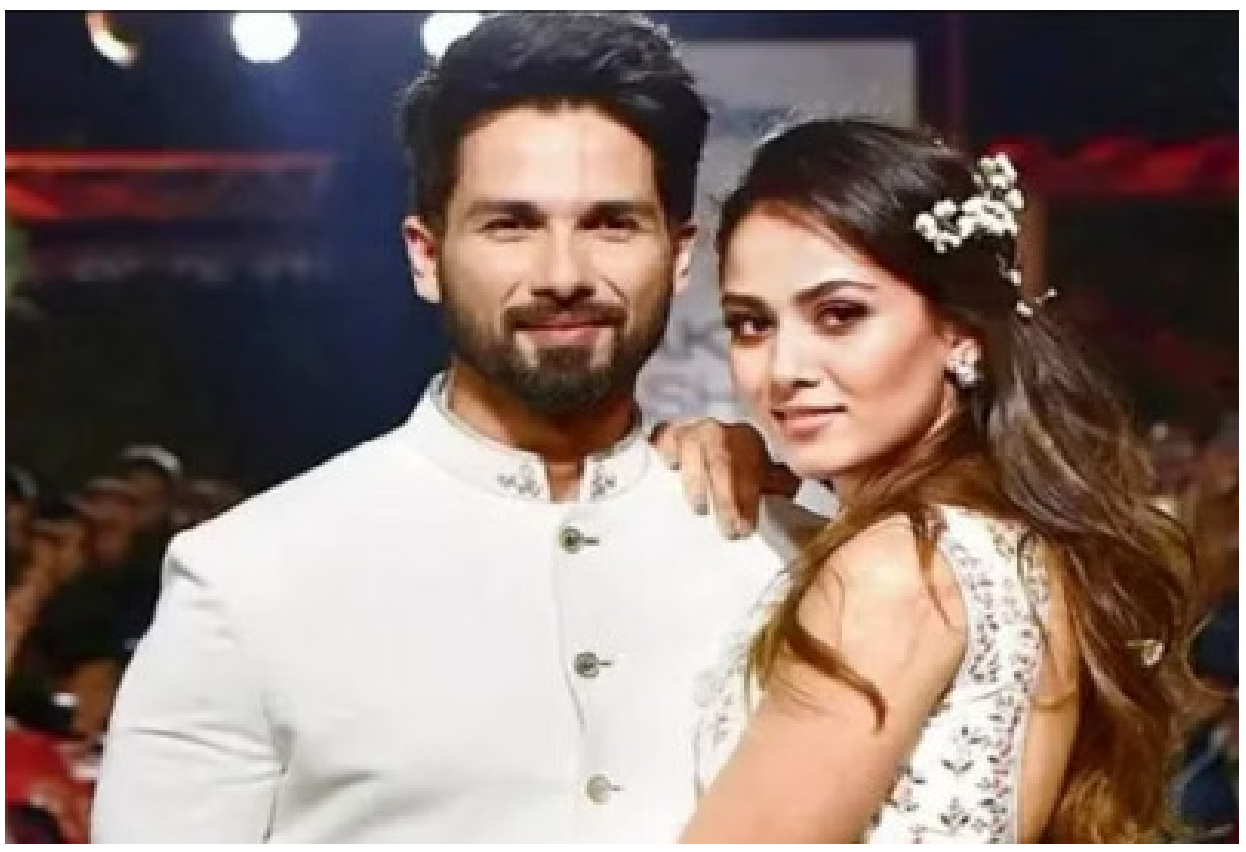

There were only two spoons and a plate in Shahid's house before marriage? Meera had said this

Shahid Kapoor and Mira Rajput are one of the favorite Bollywood couples of the fans. There is a wonderful bonding between the two and often both are seen showering love on each other on social media. After marrying Meera, Shahid's life is full of new colors and he is happier than ever. The actor recently talked about his pre-marriage life and told that Meera was also surprised to see the condition of his house then. Recently, during a media interview,

Shahid Kapoor revealed that he had only two spoons and a plate in his house before marrying Mira Rajput. He was living with these things. When Meera got married, she was also very surprised to see this. During a conversation, when Shahid Kapoor was asked the question, who decides the interior of his house? On this Shahid said, 'Me and Meera. Both decide the interior of the house. The actor further said, 'When we got married, we shifted to the new house only then, then when Meera came to the house, she had many complaints about it. Meera said, 'You only have two spoons and a plate in this house. How do you live here?' Shahid further told that then he replied to his wife, 'I used to live alone. How do you want to see me live?' Meera further said that 'we don't even have a set. If guests come, how will you serve people?' Shahid's reply was, 'Don't know! We order from outside. However, now is not the time. After coming into married life, Shahid and Mira live luxuriously in a luxurious house. Shahid says Mira made the house the way she wanted. She was happy. Now this is our home, made for family. Both of us have worked together for this. Please tell that Meera and Shahid got married in the year 2015. Both have two children. Meera Rajput is not from film background, but she lives a lot in Limelight. Meera remains very active on social media and often gets a lot of headlines because of her stylish looks. On the other hand, talking about Shahid's work front, these days he is in discussion about his upcoming film 'Bloody Daddy'.

Shooting of 'Arya 3' completed, Sushmita Sen was seen dancing happily with director Ram Madhvani

Sushmita Sen is counted among the beautiful and beautiful actresses of Bollywood. Till now he has left a deep impression in the minds of the people with his many performances. His acting was also well liked in the web series 'Arya'. So far two seasons of this show have come. At the same time, during the shooting of the third season, the actress suffered a heart attack, due to which she had to undergo angioplasty. However, he soon returned to the shooting set after defeating the disease. Now Sushmita has completed the shooting of this web series. Sushmita herself has given this information through her official Instagram account. He has shared a video of the set on social media. In this, the actress is seen celebrating the end of the shoot. In the video, he can be seen wrapped in a shawl. Also, she is seen showing off some dance moves with director Ram Madhvani. In the video, she then walks up to Sikandar Kher, who plays Daulat, and hugs him warmly. With this video, he wrote in the caption, "And it is over." In the post, he has also thanked the entire team along with Sikandar. According to media reports, the series will be released on Disney Plus Hotstar in late July or August. Maybe. Talking about the work front, apart from Arya 3, Sushmita will soon be seen in the film Tali. She will be seen in the role of transgender in the film. It is being told that she will be seen in the role of activist Gauri Sawant in the film.

ISRO chief Naseeruddin Shah accused of propaganda, said - India is moving towards superstition

Actor Naseeruddin Shah has been in media headlines for his controversial statements. Meanwhile, once again this statement of his has raised many questions.

Actor Naseeruddin Shah has been in media headlines for his which there has been a lot of uproar. Meanwhile, once again this country is losing its scientific temper. Veterans say that with time superstitions, which is a dangerous thing. 'Charles Darwin has Darwin has been erased from textbooks and the next one will like without them. Naseeruddin Shah said, "Instead of science, that will do that.' They have removed Charles Darwin from know what they will teach us." Said this about ISRO - The propaganda, where a prominent chief attributed all scientific actor said that the claims are so absurd that how can anyone chief of ISRO, I think she is a woman , says 'All these scientific the West takes undue credit for what it considers European with such a personality?They have removed Charles Darwin from Einstein, then I don't know what they will teach us." Said Research Organization (ISRO) is also spreading discoveries to the Puranas and took that the claims are so absurd that how the Puranas' - He further added, scientific discoveries are in the Puranas) and that the West takes inventions.' Now how can you even with such a personality?They have textbooks, the theory of evolution what they will teach us." Said this the Indian Space Research propaganda, where a prominent to the Puranas and took "undue The actor said that the claims counter it. Sation can you have

controversial statements. For the past few days, the actor has given such statements, on statement of his has raised many questions. Naseeruddin Shah says that it is sad that the the people of the country are moving away from science and going back to believing in been erased from textbooks' During a media interaction, the actor said that Charles eventually be done with Albert Einstein. Shah wondered what a curriculum would look we are going back to superstitions. 'This will cure cancer, this will make airplanes fly, biology textbooks, the theory of evolution is gone. Next will be Einstein, then I don't actor also claimed that the Indian Space Research Organization (ISRO) is also spreading discoveries to the Puranas and took "undue credit". Criticized the West for this. The counter it. 'All these scientific discoveries are in the Puranas' - He further added, "The discoveries are in the Puranas (all these scientific discoveries were in the Puranas) and that inventions.' Now how can you even argue with that? What conversation can you have biology textbooks, the theory of evolution is gone. Next will be this about ISRO - The actor also claimed that the Indian Space propaganda, where a prominent chief attributed all scientific "undue credit". Criticized the West for this. The actor said can anyone counter it. 'All these scientific discoveries are in "The chief of ISRO, I think she is a woman , says 'All these Puranas (all these scientific discoveries were in the undue credit for what it considers European argue with that? What conversation can you have removed Charles Darwin from biology is gone. Next will be Einstein, then I don't know about ISRO - The actor also claimed that Organization (ISRO) is also spreading chief attributed all scientific discoveries credit". Criticized the West for this. are so absurd that how can anyone with such a personality?

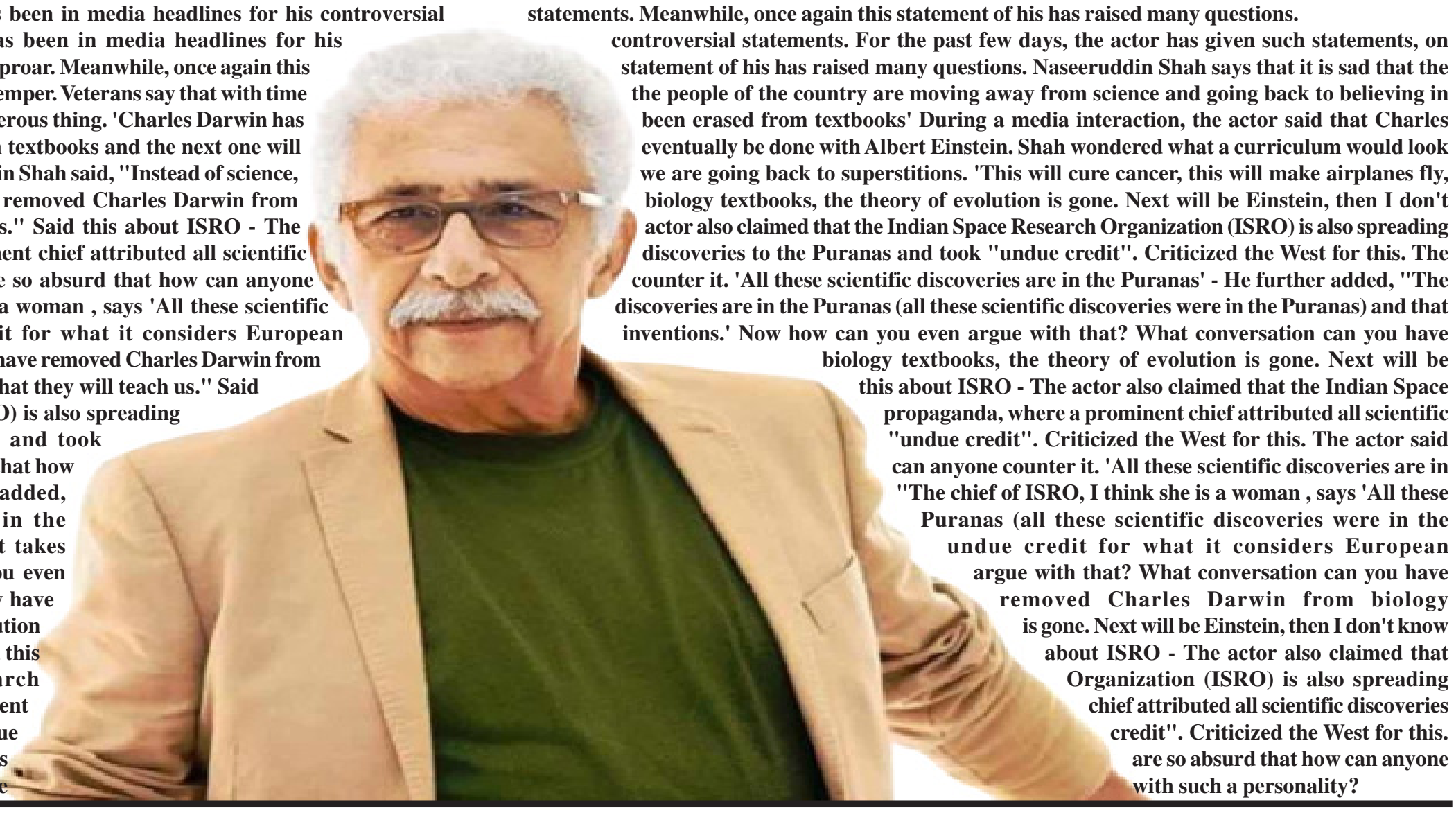

डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक ने सर्वश्रेष्ठ कलाकृति, के लिए विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 52 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- डिप्टी कमिश्नर सुरभि मलिक ने सोमवार को इस साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रतियोगिता हुनर में प्रदर्शित उत्कृष्ट और रचनात्मक कला के लिए विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 52 छात्रों को सम्मानित किया. हुनर को सरकारी और निजी स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों द्वारा जमा की गई 3500 प्रविष्टियों के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। उपायुक्त सुरभि मलिक ने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पुरस्कार विजेताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र और एक पौधा सौंपते हुए कहा कि इन युवा प्रतिभाओं ने विभिन्न विषयों पर्यावरण, शहरी, सामाजिक संदेशों या अन्य मुद्दों पर अपनी कला में उल्लेखनीय कलात्मक प्रतिभा दिखाई है। उन्होंने छात्रों को हरित योद्धा बनने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि उन्हें पौधे को जलवायु संकट से बचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। मलिक ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए कठिन प्रयास करना सभी का कर्तव्य है और कहा कि अधिक से अधिक लोगों को इस तरह के अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए युवा इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण को बेहतर बनाने में पेड़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपायुक्त ने कहा कि इन पुरस्कृत कलाकृतियों को जिला प्रशासनिक परिसर व अन्य कार्यालयों में विसर्जित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जूरी के लिए सर्वश्रेष्ठ काम का चयन करना एक कठिन समय था क्योंकि सभी छात्रों ने शानदार रचनात्मकता का प्रदर्शन किया है, लेकिन एलिमिनेशन के शुरुआती दौर के बाद, 500 प्रविष्टियों को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें से 52 को आज सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में मुख्यमंत्री की फील्ड ऑफिसर ओपींदरजीत कौर, सहायक आयुक्त (यूटी) अपर्णा एमबी, कृष्ण पाल राजपूत और छात्रों के शिक्षक शामिल थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत सफलता की कहानी पक्का मकान पाकर खुश है रामकुमार

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जनपद पंचायत सूरजपुर अन्तर्गत ग्राम पंचायत कुरूवां में वर्ष 2016-17 से 2022-23 तक कुल 161 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें से कुल 98 आवास पूर्ण हो चुके हैं, उक्त हितग्राहियों को शत प्रतिशत राशि जारी किया जा चुका है। शेष 63 आवास प्रगतिरत हैं। ग्राम पंचायत में प्रगति अनुसार प्रथम, द्वितीय, तृतीय किश्त जारी किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में आवास पूर्ण कराने हेतु एवं तकनीकी मार्गदर्शन के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम के निर्देशानुसार तकनीकी सहायकों के द्वारा एक-एक आवासों का निरीक्षण कर समय सीमा में निर्माण कार्य कराने हेतु हितग्राहियों से समन्वय स्थापित करते हैं एवं प्रगति ला रहे हैं। ग्राम पंचायत के सचिव एवं रोजगार सहायक हितग्राहियों को निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु प्रेरित कर रहे हैं। इसी कड़ी में हितग्राही श्री रामकुमार पिता हरिराम ग्राम पंचायत कुरूवां जनपद पंचायत सूरजपुर का मूल निवासी है। जिनके नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत आवास की स्वीकृति प्रदान की गई। आवास स्वीकृति के पश्चात हितग्राही रामकुमार के द्वारा आवास निर्माण प्रारंभ कर चारों किश्त 120000 एवं मनरेगा से प्राप्त 90 दिवस मजदूरी भुगतान एवं स्वयं के बचत से एक पक्का आवास का निर्माण कर सपरिवार प्रधानमंत्री आवास में निवासरत हैं। हितग्राही श्री रामकुमार के द्वारा अपने आपबीती में बताया गया कि पक्का आवास निर्माण से पूर्व उनके पास कच्चे का खपरैल युक्त मकान था, जिसमें बारिश के दिनों में पानी का रिसाव होता था एवं कीड़े-मकोड़ों से छोटे बच्चों को प्रायः खतरा बना रहता था। रामकुमार कहते हैं कभी सोचा नहीं था पक्का मकान बना पाउंगा। हितग्राही आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण स्वयं पक्के आवास का निर्माण करने में सक्षम नहीं था। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत पक्का आवास पा कर हितग्राही श्री रामकुमार ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अमृत सरोवर अंतर्गत बहेरा तालाब गहरीकरण कार्य से मिल रहा मजदूरों को रोजगार

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना अमृत सरोवर जिसमें नवीन तालाब निर्माण कराया जाना या पुराने तालाब जिसे गहरीकरण किये जाने हेतु अमृत सरोवर अंतर्गत लेना है। जनपद पंचायत सूरजपुर ग्राम पंचायत सलका के अमृत सरोवर अंतर्गत ग्रामवासियों द्वारा ग्राम पंचायत बैठक में प्रस्ताव पारित कर चयन किया गया है, अमृत सरोवर गाईडलाईन के अनुसार बहेरा तालाब का क्षेत्रफल 1 एकड़ से अधिक व पानी रूकने की क्षमता 10000 क्यूबीक मीटर से अधिक है। तालाब गहरीकरण के पूर्व पूरा तालाब कमलगट्टा व गंदगी से भरा था। जिसमें ग्राम पंचायत के निस्तार, मवेशियों को पानी पीने के लिए बहुत समस्या हो रही थी। अब अमृत सरोवर अंतर्गत लिये इस बहेरा तालाब को निर्माण शासन के दिये गये गाइडलाइन अनुरूप किया जा रहा है। बाहर का पानी किस ओर से अंदर आयेगा व अधिक भराव होने पर किस तरफ से जायेगा (इटलेट व आउटलेट) किया गया है। इस तालाब की स्वीकृत राशि 9.99 लाख रुपये है। जिसमें 5.84 लाख रुपये व्यय किया गया है। जिसमें मनरेगा मजदूरों द्वारा गोदी खोद कर कार्य कराया जा रहा है। इस तालाब के बनने से ग्राम पंचायत के जलस्तर में वृद्धि होगा। तालाब के मेढ़ में गढ़ा खोदकर नीम, पीपल, कटहल, जामून, बरगद जैसे पौधा लगाया जायेगा। पानी की एक-एक बूंद अमृत के समान है। पानी के बिना किसी भी जीव के जीवन की कल्पना नहीं किया जा सकता है।

लुधियाना रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण किए जाने की वजह से जनशताब्दी, गरीब रथ सहित नहीं रूकेंगी 22 ट्रेनें

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- रेल प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया है कि जून महीने से रेलवे स्टेशन लुधियाना पर अप और डाउन की 22 यात्री ट्रेनों का स्टापेज बदला जाएगा। दरअसल, यह बदलाव स्टेशन का नवीनीकरण किए जाने की वजह से किया जा रहा है। ऐसे में ट्रेनों को लुधियाना स्टेशन के बजाय ढंडारी स्टेशन पर रोकने की योजना तैयार की गई है। उत्तर रेलवे ने स्टापेज बदलने के कार्य को तीन चरणों में बांटा है। इससे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ कम होगी। पहले चरण में 15 जून से पांच, दूसरे चरण में 20 जून से पांच और तीसरे चरण में पहली जुलाई से 12 यात्री ट्रेनों को लुधियाना के बजाय ढंडारी स्टेशन पर स्टॉपेज दिया जाएगा। ट्रेनों के स्टापेज और समयसारिणी में बदलाव के आदेश जारी होने के बाद ढंडारी स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को दुरुस्त करने का कार्य भी शुरू हो चुका है। ये ट्रेनें जून महीने के मध्य से पहले चरण में की जा रही है शिफ्ट=12054 जनशताब्दी एक्सप्रेस 14618 जनसेवा एक्सप्रेस 22552 अंत्योदय एक्सप्रेस 12408 कर्मभूमि एक्सप्रेस 15212 जननायक एक्सप्रेस ये ट्रेनें जून महीने के दूसरे चरण में होंगी शिफ्ट=12204 गरीब रथ एक्सप्रेस 12498 शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस 22430 पठानकोट-दिल्ली एक्सप्रेस 14650 सरयू-यमुना एक्सप्रेस 14674 शहीद एक्सप्रेस ये ट्रेनें पहली जुलाई से होंगी शिफ्ट- 12460 अमृतसर-नई दिल्ली एक्सप्रेस 18102 जम्मू तवी-टाटानगर एक्सप्रेस 19326 अमृतसर-इंदौर एक्सप्रेस 18104 जलियांवाला बाग एक्सप्रेस 13308 गंगा सतलुज एक्सप्रेस 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 13006 अमृतसर-हावड़ा मेल 15708 कटिहार एक्सप्रेस 15656 कामख्या एक्सप्रेस 12332 हिमगिरी एक्सप्रेस 3152 कोलकाता एक्सप्रेस 12238 बेगमपुरा एक्सप्रेस

एसडीएम एवं जनपद सीईओ ने किया राजस्व प्रकरणों की समीक्षा

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर संजय अग्रवाल ने पिछली समय सीमा की बैठक में निर्देष दिए थे कि दूरस्थ अंचलों के लोगों को जनदर्शन के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय आना पड़ता है, ऐसे मामले जो अनुविभाग स्तर के प्रकरणों से संबंधित है के निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह सोमवार के दिन 11:00 बजे से 01:00 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं मुख्य कार्यपालन अधियकारी जनपद पंचयात को संयुक्त रूप से अनुविभाग स्तर पर जनदर्शन आयोजन कर आम जनता के राजस्व एवं अन्य प्रकरणों का आवेदन लेकर उनका त्वरित निराकरण करने कहा था। उसी के परिपालन में आज कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) रामानुजनगर में साप्ताहिक जनदर्शन का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम नंदजी पाण्डेय तथा संजय कुमार राय ने संयुक्त जनदर्षन कर आमजनता से रूबरू हुए।

उन्होंने लोगों की समस्याओं और शिकायतों से संबंधित आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुना। प्राप्त आवेदनों को जल्द से जल्द निराकरण करने आवेदकों को आश्वस्त किया। आवेदक सुखलाल ग्राम कैलाशपुर द्वारा सीमांकन के संबंध में, धर्मपाल यादव चंदन नगर के द्वारा राजस्व अभिलेख में हुई त्रुटि सुधार के संबंध में आवेदन दिया। बैंक द्वारा नॉमिनी को भुगतान करने हेतु इत्यादि आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने आवेदकों को अवगत कराया गया की प्रत्येक सोमवार को जनपद स्तर जनदर्शन आयोजन कर अनुभाग स्तर के प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

राशन डिपू होल्डर्स को उनका बनता हक केंद्र सरकार से जरूर मिलेगा - विजय सांपला

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- डिपू होल्डर्स वेलफ़ेयर एसोसिशन पंजाब ठ्ठह्वह्यड्ड 355 का शिष्टमंडल प्रधान रोशन लाल मिठू घेन्ट व गोल्डी सभरवाल की अगवाई में एस सी कमीशन भारत सरकार के राष्ट्रीय चेयरमैन विजय सांपला से मिलकर केंद्र सरकार के नाम मांगपत्र दिया । मिठू घेन्ट व गोल्डी सभरवाल ने कहा कि सबसे पहले केंद्र सरकार राशन डिपू होल्डर्स की मासिक तनख्वाह लगाए,दूसरा प्रत्येक डिपू पर अपनी अलग से इपोज मशीन हो,ताकि राशन वितरण प्रणाली को सुचारू ढंग से चलाया जा सके और लाभार्थियों को सही तरह से लाभ पुहंचाया जा सके,तीसरा केंद्र सरकार ने जब से इपोज मशीन से वितरण प्रणाली शुरू की तब से राशन डिपू होल्डर्स को 87 रुपये प्रति किवंटल के हिसाब से मार्जन मनी (कमीशन) पंजाब सरकार को भेजती है जबकि पंजाब सरकार डिपू होल्डर्स को 47.50 रुपये प्रति किवंटल के हिसाब से देती है । उन्होंने मांग की कि पंजाब सरकार व खाद्य आपूर्ति विभाग पंजाब को एक नोटिस निकाल कर 2016 से लेकर 2023 का 37 रुपये बकाया राशन डिपू होल्डर्स को दिलवाया जाए । सभी मांगो को ध्यान से सुनते हुए चेयरमैन विजय सांपला ने कहा कि वह जल्द ही इन सभी मांगो को खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री पीयूष गोयल के ध्यान में लाते हुए सभी समस्याओं का हल निकाला जाएगा, सांपला ने कहा कि राशन डिपू होल्डर्स के साथ किसी भी तरह की नाइंसाफी बर्दाश्त नही की जाएगी व उनका बनता हक उनको दिलवाया जाएगा ।उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 80 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत नि:शुल्क गेंहू बांट रही है,जिसको घर घर पुहंचाने के लिए डिपू होल्डर्स का बहुत बड़ा योगदान है,इसलिए इन सभी समस्याओं को जल्द हल करने का प्रयास किया जाएगा ।

हाईकोर्ट का दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के निर्माण पर रोक लगाने से इंकार

सत पाल सोनी-क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के पंजाब से गुजरने वाले हिस्से के निर्माण पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि इस केस में याचिकाकर्ताओं को राहत देने की कोई वजह नजर नहीं आ रही, इसलिए इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर रोक लगाना अनुचित होगा। यह प्रोजेक्ट पंजाब के लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, पठानकोट समेत कई जिलों से होकर निकलना है। प्रोजेक्ट पर रोक लगाने की मांग को लेकर लुधियाना के दर्शन सिंह समेत कई लोगों ने हाईकोर्ट में पेटीशन दायर की थी, जिसमें जमीन अधिग्रहण के बदले जारी हुए मुआवजे पर आपत्ति जताई गई। इस दौरान हाईकोर्ट में नेशनल हाईवे अथारिटी ऑफ इंडिया के वकील चेतन मित्तल और अभिलक्ष्य गैंद ने कहा कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ पंजाब ही नहीं ब्लकि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। इस एक्सप्रेसवे के बंद होने से हजारों लोगों का रोजगार छिन जाएगा और याचिकाकर्त्ताओं के पास इस प्रोजेक्ट के खिलाफ स्टे लेने के लिए कोई ठोस वजह भी नहीं है। अपना पक्ष रखते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने हाईकोर्ट में कहा कि याचिकाकर्ताओं को निर्माण के लिए पास हुए सप्लीमेंटरी अवार्ड की जानकारी नहीं है और उन्हें कोई अतिरिक्त मुआवजा भी नहीं मिला। उन्होंने इस मामले में अदालत से अतिरिक्त समय की मांग ही और तब तक प्रोजेक्ट पर रोक लगाने की गुजारिश की लेकिन हाईकोर्ट ने साफ तौर पर स्टे आर्डर जारी करने से मना कर दिया। इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 39,500 करोड़ रुपए है जोकि 669 किलोमीटर लंबा होगा। इस प्रोजेक्ट के बनने के बाद दिल्ली-अमृतसर का सफर आठ घंटे से कम होकर सिर्फ आधा रह जाएगा। इसी तरह दिल्ली से कटरा के बीच सफर भी 12 घंटे से कम होकर आधा रह जाएगा। लोगों को कीमती समय और पैसों की बचत होगी। यह प्रोजेक्ट सिख धार्मिक स्थलों श्री हरिमंदिर साहिब, श्री बेर साहिब, श्री गोइंदवाल साहिब, श्री खडूर साहिब और श्री तरनतारन साहिब को भी आपस में जोड़ेगा। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा और भी कई फायदे होंगे।

चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ ने जिला विकास योजना तैयार करने के लिए कार्यपालक अभियंताओं व कार्यपालक अधिकारियों की बैठक बुलाई

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के कार्यालय द्वारा जारी आदेश के माध्यम से कहा गया है कि जिला स्तर पर विकास योजनाओं को तैयार किया जाए. इन्हीं को ध्यान में रखते हुए चेयरमैन जिला वित्त एवं योजना समिति/जिला अध्यक्ष लुधियाना शरण पाल सिंह मक्कड़ ने जिला लुधियाना के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिये। चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ ने उप आर्थिक और सांख्यिकीय सलाहकार कार्यालय मिनी सचिवालय लुधियाना में जिला लुधियाना के कार्यकारी अभियंताओं और कार्यान्वयन अधिकारियों की बैठकबुलाई। इस बैठक में सांख्यिकी विभाग से डिप्टी ई. एस ए मैडम प्रवीण कुमारी ने भी भाग लिया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी जिला लुधियाना के ग्राम प्रधान हरभूपिंदर सिंह धरोड़, व्यापार विंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज कुमार अग्रवाल भी उपस्थित थे। इस बैठक में चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ ने जिला लुधियाना के विकास कार्यो पर चर्चा की और कार्यकारी अभियंताओं और कार्यकारी अधिकारियों से विकास संबंधी नए प्रस्ताव लिए गए. इस बैठक में जिला लुधियाना के कार्यकारी अभियंता और पंचायती राज, मंडी बोर्ड, आपूर्ति और स्वच्छता, पीडब्ल्यूडी/भवन एवं सड़क विभाग के कार्यात्मक अधिकारी नए प्रस्तावों के साथ इस बैठक में शामिल हुए।

अवधेश राय हत्याकांड: 32 साल पहले गोलियों से दहल उठा था बनारस, इसी मामले में मुख्तार अंसारी को उम्रकैद

प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के बड़े भाई अवधेश राय की हत्या योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। वाराणसी के लहुराबीर इलाके में कई बार रेकी की गई, फिर वारदात को अंजाम दिया गया। करीब 32 साल पहले अत्याधुनिक हथियारों से गोलियां बरसाई गई थीं।जेल में बंद माफिया और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी आज चर्चा में है। वाराणसी के चर्चित अवधेश राय हत्याकांड में एमपी-एमएलए कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के बड़े भाई अवधेश राय की हत्या योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। कई बार रेकी की गई, फिर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। 32 साल पहले का यह मामला है क्या, आइए जानते हैं।बेहद ही प्रतिष्ठित और संभ्रांत परिवार से आने वाला मुख्तार अंसारी बहुत कम में ही जरायम की दुनिया में सक्रिय हो गया था। गाजीपुर में 1988 में मंडी परिषद के ठेकेदार सच्चिदानंद राय की हत्या कर वह पहली बार सुर्खियों में आया। मुख्तार एक-एक कर अपराध की सीढ़ियां चढ़ता गया।

अवधेश पर अत्याधुनिक हथियारों से बरसाई गई थीं गोलियां

गाजीपुर के साथ ही चंदौली, वाराणसी, मऊ में अपना प्रभाव बढ़ाना शुरू किया। तीन अगस्त 1991 को वाराणसी के लहुराबीर इलाके में अवधेश राय की उनके घर के बाहर ही हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड ने पूरे सूबे को हिलाकर रख दिया था। अवधेश राय अपने छोटे भाई अजय राय के साथ घर के बाहर ही खड़े थे। उनकी कार भी बाहर खड़ी थी। तभी उसी वक्त एक वैन वहां तेजी से आई। हथियारबंद अपराधियों ने संभलने का मौका दिए बिना ही अवधेश राय पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। पूरा इलाका गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा था। इस घटना के बाद दहशत फैल गई थी। इससे पहले कि अजय राय कुछ कर पाते, हमलावर वहां से फरार हो गए। बदमाशों ने अत्याधुनिक हथियारों का प्रयोग किया और अवधेश के शरीर को गोलियों से छलनी कर दिया था। वो लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े थे। आननफानन अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।हत्या का आरोप माफिया मुख्तार अंसारी व उसके सहयोगियों पर लगा था। मृतक के भाई अजय राय की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। केस की सुनवाई के दौरान जून 2022 में पता चला कि मूल केस डायरी ही गायब है। वाराणसी से प्रयागराज तक केस डायरी की तलाशी हुई। मूल केस डायरी नहीं मिली। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कराया है। मूल केस डायरी के गायब कराने के मामले में मुख्तार अंसारी पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आरोप लगा।

दो आरोपियों की पत्रावली अब भी प्रयागराज में लंबित

अवधेश राय हत्याकांड के दो आरोपियों कमलेश सिंह और पूर्व विधायक अब्दुल कलाम की मौत हो चुकी है। मामले के दो अन्य आरोपी राकेश न्यायिक और भीम सिंह हैं।इस प्रकरण की सुनवाई पहले बनारस के एडीजे कोर्ट में चल रही थी। 23 नवंबर 2007 को सुनवाई के दौरान अदालत से चंद कदमों की दूरी पर बम ब्लास्ट हुआ। आरोपी राकेश न्यायिक ने सुरक्षा का हवाला देकर हाईकोर्ट की शरण ली। इसके बाद लंबे समय तक इस मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगी रही। विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट का गठन होने पर प्रयागराज में मुकदमे की सुनवाई फिर शुरू हुई। वाराणसी में एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के गठन होने पर यहां मुख्तार अंसारी के खिलाफ सुनवाई शुरू हुई। राकेश न्यायिक और भीम सिंह की पत्रावली अभी भी प्रयागराज में ही लंबित है।

कन्नौज की घटना पर बोले अखिलेश: थाने में घुसकर पुलिस को पीट रहे भाजपा सांसद, अपराधियों को बचाने में लगी सरकार

कन्नौज की घटना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भाजपा के लोगों को खुली छूट दे रखी है। वह थाने में घुस सकते हैं। भाजपा के सांसद पुलिस को पीट रहे हैं और सरकार अपराधियों को बचाने में लगी है। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में प्रदेश और देश से भाजपा का सफाया होगा। अखिलेश यादव ने कन्नौज की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के सांसद पुलिस को पीट रहे हैं और सरकार अपराधियों को बचाने में लगी है। सपा मुखिया ने भाजपा के टिफिन इवेंट को लेकर भी तंज कसा। सोमवार को सपा के कार्यकर्ता सम्मलेन में शामिल होने लखीमपुर पहुंचे अखिलेश यादव ने भाजपा के टिफिन इवेंट को लेकर भी तंज कसा। कहा कि बच्चों को खाना, ड्रेस और जूते न दे पाने वाली भाजपा सरकार के लोग खुद टिफिन खा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार खुद टिफिन खाए और बच्चों को खाना न दे पाए, उससे बच्चों के भविष्य को लेकर क्या उम्मीद करोगे।

बालासोर ट्रेन हादसे पर यह कहा

ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे को लेकर भी सपा मुखिया ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग ट्रिपल इंजन का सपना दिख रहे थे, उनके ट्रिपल इंजन आपस में ही भिड़ गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसान, नौजवान और व्यापारियों को बर्बाद किया है। दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों को धोखा दिया है। किसान परेशान हैं। महंगाई , बेरोजगारी चरम पर है।

खीरी में दो दिन रुकेंगे अखिलेश

सपा मुखिया अखिलेश यादव दो दिवसीय दौरे पर लखीमपुर खीरी आए हैं। वह दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मलेन सहित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। शाम को वह दुधवा में रात्रि विश्राम करेंगे। मंगलवार को दुधवा से निकलकर आदर्श जनता इंटर कालेज देवकली सैदापुर भाऊ में स्व. पूर्व विधायक कौशल किशोर की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। सुबह 11.15 बजे पार्टी द्वारा आयोजित सम्मेलन में शिरकत करेंगे। दोपहर दो बजे स्व. चौधरी यशपाल चौधरी की प्रतिमा का अनावरण और जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा समाप्त होने के बाद शाम करीब पांच बजे वह लखनऊ के लिए रवाना होंगे। सम्मेलन में करीब 600 लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

ARTO पर कार चढ़ाने की कोशिश: आरोपी आरिफ बोला- बहुत गाड़ियां सीज करते हो, आज तुम्हारा काम तमाम

बरेली में एआरटीओ द्वितीय दल संदीप कुमार जायसवाल की हत्या का प्रयास किया गया। एआरटीओ टीम के साथ ओवरलोड वाहनों की चेकिंग करने निकले थे। इसी दौरान उन पर कार चढ़ाने का कोशिश की गई। टीम ने आरोपी को पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी का नाम आरिफ है। वह भोजीपुरा क्षेत्र का रहने वाला है। एआरटीओ द्वितीय दल संदीप कुमार जायसवाल अपनी टीम के साथ बिथरी क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की चेकिंग करने निकले थे। इसी दौरान एक युवक ने उन पर कार चढ़ाने का प्रयास किया। एआरटीओ और टीम ने भागकर अपनी जान बचाई। थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक बीते दो तीन दिनों से एआरटीओ की टीम का पीछा किया जा रहा था। रविवार शाम करीब चार बजे एआरटीओ द्वितीय दल संदीप कुमार जायसवाल अपनी टीम के साथ बिथरी क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की चेकिंग करने निकले थे। इसी दौरान नवदिया झादा के पास आरोपी ने अपनी कार उनकी गाड़ी के आगे रोक दी।

भागकर बचाई जान

एआरटीओ टीम के साथ नीचे उतरे तो उन पर कार चढ़ाने का प्रयास किया गया। उन्होंने भागकर अपनी जान बचाई। इसके बाद आरोपी अपनी कार से उतरा और धमकी देने लगा। आरोपी ने कहा कि बहुत गाड़ियां सीज करते हो। आज तुम्हारा काम ही तमाम कर देंगे। सिपाहियों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया।

इस बीच एक और गाड़ी आई, जिसके चालक ने मशीन छीन कर जमीन पर फेंक दी और फरार हो गया। वहीं पकड़े गए आरोपी ने नाम आरिफ बताया। मौके पर पहुंची बिथरी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका एक गैंग है, जो अवैध रूप से ओवरलोड वाहनों को जिले की सीमा पार कराते है। गैंग के सदस्य आरटीओ चेकिंग टीम की रेकी कर वाहन चालकों को लोकेशन भेजते हैं। एक दिन पहले इस गैंग ने एआरटीओ प्रथम दल पर हमला करने का प्रयास किया था। पुलिस ने एआरटीओ की ओर से थाना बिथरी चैनपुर में आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रयास, सरकारी काम में बाधा व अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

'अजमेर 92' का विरोध: मौलाना शहाबुद्दीन ने उठाई फिल्म को बैन करने की मांग, कहा- यह नफरत फैलाने की साजिश

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ये फिल्म देश के लोगों को भ्रमित करने और समाज में फूट डालने वाली है। सरकार से गुजारिश की है कि इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए। फिल्म 'अजमेर-92' रिलीज होने से पहले ही विवादों के घेरे में आ गई है।

मुस्लिम संगठनों ने इस फिल्म को बैन करने की मांग उठाई है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने फिल्म 'अजमेर-92' को देश में नफरत फैलाने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि फिल्मों और सोशल मीडिया के जरिए एक धर्म विशेष को निशाना बनाया जा रहा है। समाज में नफरत फैलाने का काम किया जा रहा है। हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल है दरगाह- मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सोमवार को फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये फिल्म देश के लोगों को भ्रमित करने और समाज में फूट डालने वाली है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी की दरगाह हिंदू मुस्लिम एकता की बेहतरीन मिसाल है, जो लोगों के दिलों पर सदियों से राज कर रहे हैं।

दरगाह अजमेर शरीफ से हमेशा अमन शांति का पैगाम दिया जाता है। टूटे दिलों को जोड़ने का काम होता है।फिल्म का किया विरोध - मौलाना ने फिल्म के बारे में बताया कि जो मुझे जानकारी प्राप्त हुई है उसके अनुसार फिल्म अजमेर 92 में दरगाह को लेकर गलत तरीके से पेश किया गया है। वहां जो शिक्षा दी जाती है, उसे गलत बताया गया है। हम इसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा वक्त में समाज में फूट डालने और नफरत फैलाने के लिए फिल्मों और सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है। किसी फिल्म निर्देशक को ख्वाजा साहब की दरगाह की तौहीन करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। एक खास धर्म के मानने वालों को निशाना बनाने के लिए फिल्मों का सहारा लिया जा रहा है। मौलाना ने सरकार से गुजारिश की है कि इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए।

दर्दनाक: घर के नजदीक पिकअप की टक्कर से मासूम की मौत, पीछे चल रही उसकी मां- चाची और ताई कुछ न कर सकी

अमरोहा नगर के मोहल्ला जुगाडू अड्डा तिराहे पर पिकअप ने छह वर्षीय मासूम को कुचल दिया। जिससे मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक भाग गया। बिना किसी कार्रवाई के ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मासूम मुस्लिम अरबियत स्कूल में पहली कक्षा का छात्र था। दो भाइयों में बड़ा था। बिना किसी पुलिस कार्यवाही के शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। नगर के मोहल्ला रेहमानी चौक निवासी शमीम अहमद का छह वर्षीय बेटा मोहम्मद साद अपनी मां गुलजार, चाची मेहजबीन, ताई रेहाना के साथ उझारी तरारा मार्ग स्थित अपने घेर से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह जुगाडू अड्डा तिराहे पर पहुंचा तभी बुरावली दिशा से तेज गति से आ रही महिंद्रा पिकअप ने तो जोरदार टक्कर मार दी। जिससे साद नीचे गिर गया और उसके ऊपर गाड़ी के दोनों पहिए निकल गए। जिसके कारण मासूम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पीछे चल रही उसकी मां, चाची, ताई ने दौड़कर बच्चे को उठाया तथा स्थानीय डॉक्टर के पास ले गए। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। घटना से परिवार के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक साद मुस्लिम अरबियत स्कूल में पहली कक्षा का छात्र था। दो भाइयों में बड़ा था। बिना किसी पुलिस कार्यवाही के शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस संबंध में थानाध्यक्ष संदीप चौधरी का कहना है कि इस घटना में परिवार के लोगों की तरफ से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है।

While getting FD, take care of security along with returns, only up to five lakh rupees is safe

Eight urban cooperative banks were declared bankrupt during 2021 and 2022. The money of the depositors of these banks was at risk. After this RBI came forward and settled the claims under deposit insurance. Also, the risk on FDs cannot be ignored from the perspective of Silicon Valley Banks. Fixed Deposits (FDs) are generally considered to be the safest mode of investment in the country. Currently, many banks are paying more interest on FDs than the government's small savings schemes. Due to the attraction of higher returns (interest), the trend of people has increased towards FD. However, getting FDs in banks is not completely safe. Especially in co-operative banks. Depositing your money in these carries more risk than commercial banks (private and government banks). During 2021 and 2022, eight urban cooperative banks were declared bankrupt. The money of the depositors of these banks was at risk. After this RBI came forward and settled the claims under deposit insurance. Also, from the perspective of Silicon Valley Bank, one cannot ignore the risk on FDs. Especially in relation to co-operative banks. Hence, these banks offer higher returns to the depositors. 08 urban cooperative banks were bankrupt in 2021 and 22. Only up to five lakh rupees is safe- Co-operative banks or small finance banks give more interest to their depositors than commercial banks, but there is also a danger of drowning the money deposited there. In view of this, RBI fixed the deposit insurance limit of 5 lakhs to save the hard earned money of the depositors. If you have deposited Rs 10 lakh in a co-operative bank and it becomes insolvent, then you will get only Rs 5 lakh under deposit insurance. Getting the highest interest here- BankBazaar has prepared a report on the returns on FDs in 12 government, 21 private, 12 small finance, 13 foreign and 10 largest urban cooperative banks. Accordingly, all public sector banks are currently paying 7.35 per cent or less interest. 29 banks are offering 8 per cent or more interest rate. Two private banks are giving around 8 per cent interest to their depositors. Two small finance banks are giving 9 percent interest on FD. Don't change bank just because of high returns- Avoid changing your existing bank just because of high returns on FD, as most of the banks ask to open savings account before doing FD. A minimum amount will have to be kept in a low-return savings account in the new bank. This will reduce the high returns you were supposed to get from the FD. With another bank account you will have to pay various charges. So, it would be better to stick with the existing bank only. Adil Shetty, CEO, BankBazaar

Adani Group came forward to help the children orphaned in the accident; Gautam Adani made this announcement

Adani Group Chairman Gautam Adani has said that Adani Group will take responsibility for the school education of the children who lost their parents in the Balasore train accident. Expressing grief over this incident, he announced this help by tweeting. The Balasore train accident, one of the biggest rail accidents in the history of India, resulted in the tragic death of 275 people. At the same time, more than thousand people have been injured. People from all over the country are praying and helping for these people. Meanwhile, Adani Group chief Gautam Adani has made a big announcement regarding the help of the children orphaned in the accident. Adani Group Chairman Gautam Adani has said that Adani Group will take responsibility for the school education of the children who lost their parents in the Balasore train accident. Expressing grief over this incident, he announced this help by tweeting. He wrote in his tweet, 'We are all deeply distressed by the train accident in Odisha. We have decided that Adani Group will take responsibility for the school education of the innocent people who have lost their parents in this accident. It is the joint responsibility of all of us to provide strength to the victims and their families and better tomorrow to the children. The accident took place on Friday evening- Significantly, this horrific train accident took place on Friday evening at Bahanaga railway station in Balasore district of Odisha. The pictures of this accident are very frightening. On Sunday, the Railway Board had given an update regarding this accident by holding a press conference. Odisha Chief Secretary Pradeep Jena had told that 275 people have died in the accident. He said that earlier there was news of 288 deaths. In fact, some bodies were counted twice, so the death toll was inflated, he said. More than 1100 people have been injured in the accident. Identification of the responsible- Earlier, about 39 hours after the accident, Railway Minister Ashwini Vaishnav had told the reason for the accident. He had said that the accident occurred due to a change in the electronic interlocking. We have also identified those responsible. Meanwhile, the Railways on Sunday categorically ruled out driver error and system fault and indicated that possible sabotage and tampering with the electronic interlocking system could be behind the train accident in Odisha. At the same time, Railway Minister Ashwini Vaishnav has recommended a CBI inquiry into the accident.

Opportunity in five trillion dollar economy, China and Japan are better examples

If you want to earn better by investing in the stock market, then a long-term strategy has to be made. There are many examples where the markets have outperformed in the long run. The Indian stock market is also on the way to make a quantum jump, where good returns are expected. Ajit Singh's report on this performance of the market- All the countries of the world which have crossed the five trillion dollar economy mark today, the stock market of all of them performed better when they grew from two trillion dollars to five trillion dollars. Completed the journey Statistics show that the three major countries America, China and Japan are the best examples of this. Between 2004 and 2009, China's economy grew from two trillion dollars to five trillion dollars. During this, its stock market Hangseng reached from 8,500 to 32,000. That is, it has achieved a growth of about 4 times in 5 years. Japan's economy was two trillion dollars in 1978 and after 8.5 years in 1986 it became five trillion dollars.

During 1978 to 1991, its stock market achieved a growth of 14 times. It increased to 27,000 by 2000. The US market grew 17 times – the US economy was $2 trillion in 1977. 5 trillion dollars in 1988. The stock market Dow Jones grew 17 times between 1977 and 2000, rising from 700 to over 12,000. Similar is the trend of the Indian stock market. In October 2021, the Sensex crossed 62,000 for the first time and then 63 thousand. India's economy is about $ 3.5 trillion at present, which will become $ 5 trillion by 2026-27. Stock market on the way to one lakh -

If we look at the economy of five trillion dollars and the trend of stock markets of many countries of the world, then on this basis the Indian stock market can perform well in four years. Brokerage houses believe that the Bombay Stock Exchange (BSE) Sensex can cross the one lakh mark in two-three years.

70% return is expected from here. At the time of Corona, when the markets of the whole world were broken, since that time the Indian market has achieved a growth of about two and a half times.

In March 2020, at the time of Corona, the Sensex had gone below 26 thousand, which is now beyond 63 thousand. BSE Sensex came to 63,000. It was down from 26,000 in March 2020 due to the Corona pandemic. Diversification is beneficial – Analysts believe that in this environment of the stock market, investing in Equity Savings Fund can be better. It consists of at least three asset classes through which you get the benefit of diversification. This is because the share of investment in each segment varies. This is the reason why investors get better returns in this fund. ICICI Prudential Equity Savings Fund has emerged as one of the best funds in this segment.

It is a method of diversification. Equity market is volatile due to global economic slowdown and many other reasons. Valuations are also not very cheap. In such a situation, Equity Savings Fund is a good option for investment. -Dinesh Agarwal, Fincaps Investment Services - Choose debt and equity segments - Generally, fund managers prefer large caps for equity allocation.

When it comes to debt, the allocation is in the form of AAA rated paper or shorter duration government securities.

In addition, through arbitrage, the fund manager of the scheme tries to exploit the pricing potential in the cash and derivative segments of the equity market. This hedges the equity risk to a certain extent and also helps in controlling volatility. Hero MotoCorp hikes electric scooter prices by up to Rs 6,000- Hero MotoCorp has increased the price of electric scooter VIDA V1 Pro by up to Rs 6,000 to Rs 1,45,900. This price has come into effect from June 1. The company said it had to do so due to reduction in subsidy of Fame-2.

Under Fame-2, earlier the subsidy was 40% on ex-factory price, which has now become 15%. NCLT: 51,424 crore recovery - The National Company Law Tribunal (NCLT) has approved 180 resolution plans in the financial year 2022-23. This resulted in recovery of a record Rs 51,424 crore from stressed assets. As far as lenders are concerned, this is the second highest recovery after FY 2018-19. At that time the recovery from 77 insolvency resolution processes stood at Rs 1.11 lakh crore. These included cases like Essar Steel and Monnet Ispat.

Business: India bought record crude oil from Russia in May, importing 1.96 million barrels per day

According to data, India imported 1.96 million barrels of oil per day from Russia in May, which is 15 percent more than in April. India's import of cheap crude oil from Russia has reached a record high in the month of May. Imports from Russia have also crossed the figure of oil purchased collectively from Saudi Arabia, Iraq, the United Arab Emirates (UAE) and the US. According to the data, India imported 1.96 million barrels of oil per day from Russia in May , which is 15 percent higher than in April. Russia's share in India's total crude oil imports has gone up to 42 per cent from less than one per cent before the Ukraine war. This is the highest share for a single country in recent years. India reduced oil imports from Saudi Arabia to 5,60,000 tonnes in May. This is the lowest level since February 2021. OPEC share drops from 90% to 39% In May, the Organization of the Petroleum Exporting Countries-OPEC's share in India's crude oil imports declined to its all-time low of 39%. Earlier this share used to be up to 90 percent. India imported 4.7 million barrels of oil per day in May. OPEC's share in this was 1.8 million barrels. It was below 2.1 million barrels in April. The share of Russian oil in India's imports has been rising steadily since Russia's invasion of Ukraine in February last year. This is the eighth month in a row that Russia remains India's largest supplier.

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसएसपी नैनीताल ने पुलिस कर्मियों को दिलाई शपथ

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी- पंकज भट्ट, एसएसपी नैनीताल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के उपलक्ष्य में पुलिस बहुदेशीय भवन हल्द्वानी में नैनीताल पुलिस के कार्यालयों में नियुक्त अधिकारी/कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ दिलाई गई। सभी से विश्व पर्यावरण दिवस 2023 की थीम #BeatPlasticPollution नामक शक्तिशाली अभियान के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने हेतु चलाए जा रहे अभियान में सार्थक सहभागिता देने को कहा गया। साथ ही पर्यावरण को सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक बनाने हेतु अधिक से अधिक पेड़ पोंधों को लगाने की अपील की गई। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में नैनीताल पुलिस के प्रत्येक थानों व कार्यालयों, इकाई में नियुक्त प्रभारी, अधिकारी व कार्मिकों द्वारा शपथ ग्रहण की गई।पुलिस बहुदेशीय भवन में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान- वाचक कार्यालय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल,एस.पी. अपराध/यातायात कार्यलय,एस.पी. सिटी हल्द्वानी कार्यलय,सी.ओ. सिटी हल्द्वानी, अभिसूचना इकाई, यातायात/सीपीयू,साईबर सेल, मोबाइल सेल के समस्त अधि0/कर्मचारी गण आदि मौजूद रहे।

शेरवुड जैसे प्रतिष्ठित स्कूल का हिस्सा होना अपने आप में सौभाग्य का विषय है राज्यपाल

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

नैनीताल- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को शेरवुड कॉलेज, नैनीताल के 154वें वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान राज्यपाल ने स्कूल में कई दशकों से अनवरत सेवाएं देने वाले शिक्षकों व स्टाफ को सम्मानित किया। इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक गतिविधियों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी राज्यपाल ने सम्मानित किया। वार्षिकोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शेरवुड 154 वर्षों से गौरवशाली इतिहास के साथ शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र निर्माण से बड़ी भूमिका निभा रहा है। शेरवुड जैसे प्रतिष्ठित स्कूल का हिस्सा होना अपने आप में सौभाग्य का विषय है। यहां से पढ़े लोगों ने विभिन्न क्षेत्रों में देश की गौरवपूर्ण सेवा की है। उन्होंने कहा कि फील्ड मार्शल मानेक शॉ हो या प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा हों इसके अलावा अनेकों ऐसे नाम हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में शेरवुड स्कूल व देश को गौरवान्वित किया है। राज्यपाल ने कहा कि छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यहां से शिक्षा प्राप्त कर आप सभी को देश व समाज के बेहतर निर्माण हेतु अपना योगदान देना है। अमृतकाल के 25 वर्षों में आप सभी का योगदान महत्वपूर्ण होने वाला है जो विकसित भारत, विश्वगुरु भारत व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का साकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है इसमें आप सभी युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। राज्यपाल ने कहा कि छात्र-छात्राएं अपने अंदर आत्मानुशासन, आत्मनियंत्रण और दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ-साथ दया, करूणा जैसे गुणों को भी धारण करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा या सीखना एक सतत प्रक्रिया है और हमेशा कुछ न कुछ सीखते रहें। अपने माता-पिता, गुरुजनों और सच्चे दोस्तों को कभी न भूलें। राज्यपाल ने स्कूल के प्रधानाचार्य, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित स्कूल के संस्थापक सदस्यों को बधाई दी और कहा कि उनके द्वारा इस शिक्षा के मंदिर को विद्यार्थियों हेतु, सर्वांगीण विकास के केंद्र के रूप में विकसित किया है। इस कार्यक्रम में स्कूल के पूर्व छात्र रहे जीओसी 51 सब एरिया मेजर जनरल राकेश कुमार झा ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य अमनदीप संधू सहित स्कूल के शिक्षक छात्र-छात्राएं और पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

सारथी फाउंडेशन समिति द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर फलदार पौधे लगाकर धूमधाम से मनाया

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सारथी फाउंडेशन समिति ने सेक्रैट हार्ट स्कूल के सामने उप्रेती बगीचे में फलदार पोंधे लगाकर धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञ के रूप में सारथी के सदस्य एवं सेवानिवृत कृषि अधिकारी गिरिश चंद्र लोहनी की देखरेख में फलदार पेड़ों का रोपण किया गया साथ ही उन्होंने पेड़ों को लगाने के तरीके एवं रखरखाव के बारे में सभी सदस्यों को विस्तार से बताया। संस्था के संस्थापक संयोजक नवीन पन्त ने आये हूए सभी सम्मानित जनों का आभार धन्यवाद ब्यक्त कर पर्यावरण दिवस की बधाई दी, कार्यक्रम का संचालन समन्वयक ज्ञानेंद्र जोशी द्वारा किया गया, कार्यक्रम में सारथी परिवार से सुमित्रा प्रसाद,नवीन पंत,ज्ञानेंद्र जोशी,हितेंद्र उप्रेती,गिरिश लोहनी,उमेश सैनी,दीक्षा पंत पांडे,पूजा पंत,मंजू सनवाल,जाकिर हुसैन, केतन जायसवाल,संतोष गौड़,शीला राणा,हेमा जोशी,भावना पांडे,तनुजा टकवाल,कमला जोशी,कला नेगी,तारा बिष्ट,रोली, आदि ने सहभागिता की ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर छावनी परिषद रानीखेत द्वारा किया गया वृक्षारोपण

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

रानीखेत- विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में छावनी परिषद, रानीखेत द्वारा रानीझील के समीप निर्वाणा पार्क में सैलैक्स, उतीश, बोगैन बेलिया, कनेर एवं पांगर प्रजाति के 200 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष छावनी परिषद, रानीखेत बिग्रेडियर गौरव बग्गा द्वारा किया गया। इसके उपरान्त रानीझील के समीप नव निर्मित भ्रमण पथ का उद्घाटन एक पर्यटक के रूप में गुड़गांव से आयी नन्हीं बच्ची सनाया द्वारा बिग्रेडियर गौरव बग्गा अध्यक्ष, छावनी परिषद, मुख्य अधिशासी अधिकारी नागेश कुमार पाण्डे एवं मोहन नेगी सहित छावनी परिषद के कर्मचारियों की उपस्थित में किया गया। इस भ्रमण पथ को परिषद द्वारा रानीझील को स्टेशन मुख्यालय के समीप तक एक ट्रेकिंग मार्ग के रूप में विकसित किया गया है जिससे मालरोड को जाने वाले मार्ग से रानीझील की दूरी कम समय में प्राकृतिक वातावरण में भ्रमण करते हुए तय की जा सकती है। इस भ्रमण पथ को पूर्णतः छावनी परिषद के कर्मचारियों द्वारा अपने स्तर से विकसित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अधिशासी अधिकारी नागेश कुमार पाण्डेय, मोहन नेगी एवं कार्यालय के सभी कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पौधा रोपण साथ ही जागरूकता कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- माननीय श्री गोविन्द नारायण जांगड़े, जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर, के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पौधा रोपण साथ ही जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में ग्राम पंचायत बसदेई गौठान में आयोजित कार्यक्रम में श्री असलम खान, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1, श्री पुनीत तिग्गा, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, श्री अजय लकड़ा, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 एवं बसदेई चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्यवहार न्यायाधीश श्री असलम खान ने विश्व पर्यावण दिवस की शुभकानाएं देते हुए बताया कि दुनिया भर में आज पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्धेष्य से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्धेय से मनाया जाता है। उन्होने आगे कहा बढ़ती आबादी एवं शहरीकरण के कारण हर साल लाखों बिल्डींग तैयार हो जाते है, और लाखो पेड कट भी जाते है।

हमारे बदलते पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने में बिल्डींग से ज्यादा पेड़ की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यायावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों के संम्बन्ध में जानकारी देते हुए उपस्थित लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु लोगों को शपथ दिलाई गई और लोगों से ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की अपील की गई। कार्यक्रम उपरान्त सभी अधिकारीयों द्वारा गौठान परिसर में फलदार पौधों रोपण किया गया। वहीं विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्राम नकना, ग्राम करकोटी भैयाथान, ग्राम ओडगी, रमकोला गोविन्दपुर, थाना परिसर सूरजपुर, थाना परिसर विश्रामपुर, थाना परिसर जयनगर, प्रतापपुर केवरा, शासकीय स्वमी आत्मानंद हायर सेकेण्डरी स्कूल केतका एवं सत्तीपरा चन्दौरा में पौधा रोपण करने के साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित हुए। उक्त कार्यक्रमों में पैरालीगल वालेंटियर्स बृजवासी सिंह, पुनम कुजूर, राजिया खान, नितेश कुमार साहू, राशीद महमुद, चीरंजीव लाल, रोहित कुमार राजवाड़े, कान्ती सिंह, अक्षयवर लाल एवं सद्दाम हुसैन थाना स्टाफ सफ सम्मिलित हुए।

महिला के घर से सामान से भरा संदूक व नगदी चोरी कर ले जाने वाला युवक रामनगर पुलिस के गिरफ्त में

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी- मानुली देवी पत्नी स्व सरोप राम निवासी ग्राम कारगिल पटरानी मालधन चौड़ थाना रामनगर नैनीताल अपने घर के कमरे से 01 टिन का सन्दूक चोरी करने के सम्बंध में कोतवाली रामनगर में धारा 380/411 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामले में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक अरुण सैनी द्वारा पुलिस टीम का गठन किया गया पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के सी0सी0टी0वी0 कैमरों की छान बीन, पतारसी सुरागरसी द्वारा मदद से एक युवक को चोरी किए सारे सामान एवम नगदी के साथ दिनांक 04.06.23 को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की गई।

आर्मी पब्लिक स्कूल रानीखेत विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

रानीखेत-आर्मी पब्लिक स्कूल रानीखेत विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गयाढ्ढ विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलेश जोशी की अध्यक्षता में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक चेतना मंच के निदेशक जोगेंद्र बिष्ट रहेढ्ढ इस दौरान विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ढ्ढपोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में खुशी, चेतना और नितिन तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता में आयुष ,भार्गव, प्रियांशु क्रमश= प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहेढ्ढ छात्र छात्राओं के द्वारा दिखाई गई लघु नाटिका में छात्रों ने प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा हमारे जीवन में प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में बताया ढ्ढ मुख्य वक्ता जोगेंद्र बिष्टप्लास्टिक पर रोक लगाने पर अपने विचार व्यक्त किएढ्ढ उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के इधर-उधर फैलने से हमारे पक्षियों एवं जानवरों की को नुकसान हो रहा हैढ्ढ बहुत सारी प्रजातियां लुप्त हो रही हैं ढ्ढअवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लीढ्ढ इस अवसर पर विद्यालय के छात्र एवं शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहेढ्ढ

सोशल मीडिया में आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करना पड़ा भारी

राजकुमार केसरवानी-क्यूँ न लिखूँ सच

लालकुआँ पुलिस ने की 01 युवक की गिरफ्तारी पीड़िता द्वारा फेसबुक आईडी में उसकी आपत्तिजनक वीडियो व पोस्ट अपलोड करने के संबंध में दी गई तहरीर के आधार पर थाना लालकुआं में धारा- 67 आईटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक डीआर वर्मा द्वारा की जा रही है। पंकज भट्ट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा मामले में संज्ञान लेकर विवेचक को तत्काल अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया। विवेचक द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी एवम क्षेत्राधिकारी लालकुआं के पर्यवेक्षण में मामले में गहन जांच व साईबर सेल की सहायता से फेसबुक में पीड़िता की वीडियो अपलोड करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

जिले में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.आर.एस. सिंह, के मार्गदर्शन में आज डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी, डी.एच.ओ, डॉ. किशोरी लाल ध्रुव, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, डॉ. जे.एस.आर सकता जिला कुष्ठ अधिकारी, श्री गनपत कुमार नायक, डी.पी.एम. डॉ. दीपक मरकाम जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण की गरिमामयी में विश्व पर्यावरण दिवस जिला चिकित्सालय के सभाकक्ष में मनाया गया। जिसमें बी.एम. एवं आईएनआरसी नर्सिंग कॉलेज के छात्राओं के द्वारा जनजागरूकता फैलाने हेतु पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव को विस्तृत रूप से प्रदर्शित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र, छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनका मनोबल बढ़ाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि पर्यावरण में फैला प्रदुषण धीरे-धीरे वैश्विक संकट बनते जा रहा है, जिसके प्रति लोगो को जागरूक करने के लिए 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उददेश्य यह है कि पर्यावरण को लेकर लोगों को जागरूक किया जा सके। पर्यावरण की सुरक्षा की अहमियत को देखते हुये वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र महासंघ ने इसे मनाने का फैसला लिया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण को कम करने के थीम के साथ मनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा हमें भी इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। प्लास्टिक खासतौर पर पॉलिथीन बैग इस्तेमाल न करने का संकल्प लेना चाहिए। दूनिया में हर साल 40 करोड़ टन प्लास्टिक कचरे का उपयोग होता है। यह कचरा हमारे पर्यावरण को दूषित कर रहा है। प्लास्टिक में ऐसे विषैले रसायन होते है जो मनुष्यों और प्रकृति के लिए जोखिम पैदा करते है। हमें प्लास्टिक के उपयोग में कमी लानी होगी। आज हम यह संकल्प ले कि हम कम से कम एक पौधा अवश्य लगायेगें। तभी विश्व पर्यावरण दिवस मनाना सार्थक होगा। हमें भौतिक सुख सुविधाओं में कमी लाना होगा। कार्यक्रम में डॉ. जसवंत कुमार दास, एपिडेमोलॉजिस्ट, श्री सुरेश कुमार गुप्ता मीडिया प्रभारी स्वास्थ्य विभाग, जमील हसन, श्री अमित, राहुल मांझी एवं नर्सिंग कॉलेज के शिक्षक उपस्थित रहें।